राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 320 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,28 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

ट्विटर की भारतीय यूजर्स के प्रति प्रतिबद्धता खोखली : केंद्र

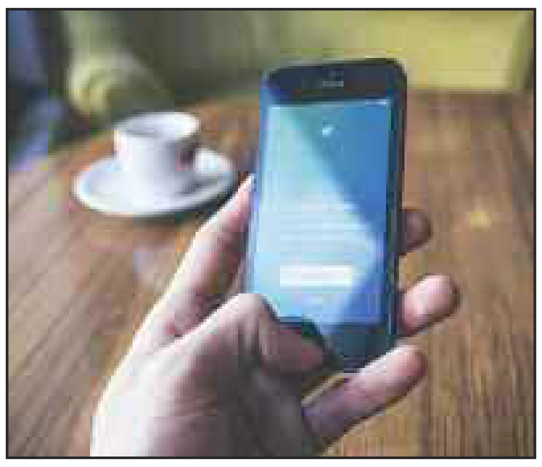

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत सरकार ने ट्विटर द्वारा भारत में नए डिजिटल नियमों पर दिए गए बयान में किए गए दावों का विरोध करते हुए कहा है कि ट्विटर की भारतीय यूजर्स के प्रति प्रतिबद्धता खोखली, स्वार्थ हित वाली लगती है। सरकार ने अपने बयान में कहा, भारत में अभिव्यक्ति की आजादी और लोकतंत्र का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। भारत में अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा करना केवल एक निजी व्यक्ति का विशेषाधिकार नहीं है। लाभ के लिए ट्विटर जैसी विदेशी संस्था इससे खिलवाड़ कर रही हैं।

आईटी मंत्रालय ने कहा कि ट्विटर का बयान दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर अपनी शर्तें थोपने की कोशिश है। भारत की कानूनी प्रणाली को ट्विटर अपने कार्य करने के तरीके से जानबूझकर प्रभावित करना चाहता है। इसके अलावा ट्विटर मध्यस्थ दिशा निदेशों में उन्हीं नियमों का पालन करने से इनकार कर रहा है। जिनके आधार पर वह भारत में किसी भी आपराधिक दायित्व से सुरक्षित रह सकता है। बड़ा सवाल यह है कि अगर ट्विटर इतना प्रतिबद्ध है, तो उसने भारत में अपने दम पर ऐसा तंत्र क्यों नहीं स्थापित किया

भारत में ट्विटर के प्रतिनिधि नियमित रूप से दावा करते हैं कि उनके पास कोई अधिकार नहीं है। ट्विटर से संबंधित किसी भी चीज के लिए भारत के लोगों को अमेरिका में ट्विटर मुख्यालय से संपर्क करना होगा।

आईटी मंत्रालय ने कहा कि ट्विटर की भारतीय यूजर्स के प्रति प्रतिबद्धता खोखली लगती है, बल्कि पूरी तरह से स्वार्थ हित वाली लगती है। भारत में ट्विटर का एक बड़ा उपयोगकर्ता आधार है, ट्विटर अपने भारतीय संचालन से महत्वपूर्ण राजस्व अर्जित करता है। इसके बावजूद भी भारतीय यूजर्स की शिकायतों के निवारण के लिए अधिकारी और तंत्र, मुख्य अनुपालन अधिकारी और नोडल अधिकारी को नियुक्त करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहा।

नियम आम उपयोगकताओं को अधिकार देते हैं। जो मानहानि, विकृत छवियों, यौन शोषण और कानून के उल्लंघन में अन्य अपमानजनक सामग्री के खिलाफ उनकी शिकायतों के निवारण का जरिया बनते हैं। आईटी मंत्रालय ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों सहित व्यापक संभव परामर्श के बाद भारत में इन नए डिजिटल नियमों को अंतिम रूप दिया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने नियमों के मसौदे को सार्वजनिक डोमेन में रखा और लोगों से इसपर प्रतिक्रिया की अपील की।

भारी कमी के बीच सेलिब्रिटिज ने कैसे खरीदीं एंटी कोविड दवाएं, महाराष्ट्र सरकार करे जांच : हाईकोर्ट

मुंबई, (एजेंसी)। सेलिब्रिटिज और नेताओं द्वारा एंटी कोविड दवाएं खरीदने को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि वह जांच करे कि कैसे सेलिब्रिटिज और नेताओं ने जरूरतमंदों की मदद के लिए एंटी कोविड-19 दवाएं और इंजेक्शन की खरीद की जब देश में उनकी भारी कमी थी। न्यायमूर्ति अमजद सैयद और न्यायमूर्ति जी.एस. कुलकर्णी की अवकाश पीठ ने कहा कि सेलिब्रिटिज की मंशा दूसरों की मदद करने की हो सकती है लेकिन उन दवाओं को आवंटित करने के लिए केंद्र सरकार ही अधिकृत थी। अदालत ने कहा कि इन लोगों को एहसास नहीं था कि वे कानून के विपरीत काम कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि ऐसे में इस गैर कानूनी खरीद, जमाखोरी, कालाबाजारी और अधिक मात्रा में दवा मुहैया कराने की जांच की जानी चाहिए। दरअसल अदालत का यह आदेश महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल आशुतोष कुम्भकोणी की ओर से यह बताने के बाद आया कि राज्य ने मुंबई से कांग्रेस विधायक जीशान सिद्दीकी, अभिनेता सोनू सूद के चैरिटी फाउंडेशन और कुछ अन्य लोगों को मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कुम्भकोणी ने बताया कि सिद्दीकी और सूद ने जवाब दे दिया है और दोनों बताया कि उन्होंने न तो दवाएं एवं इजेक्शन की खरीद की और न ही उनका भंडारण किया। एडवोकेट जनरल ने अदालत को बताया, उन्होंने कहा कि वे कुछ मामलों में केवल दवाओं की कीमत अदा कर सुविधा देने का काम कर रहे थे और कुछ मामलों में बिना भुगतान किए। उन्होंने बताया कि वे निमार्ताओं के संपर्क में थे। कुम्भकोणी ने अदालत को बताया कि सिपला और अन्य निमार्ताओं को सेलिब्रिटिज को रेमडेसिविर इंजेक्शन की आपूर्ति करने के आरोपों पर नोटिस जारी किया गया है।

सुनिश्चित करें कि सामान्य जनजीवन जल्द-से-जल्द बहाल हो : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चक्रवाती तूफान यास के व्यापक प्रभावों की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर अधिकारियों ने चक्रवाती तूफान से निपटने की तैयारियों के विभिन्न पहलुओं, तूफान से हुए नुकसान के आकलन और संबंधित विषयों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इस दौरान यह चर्चा की गई कि एनडीआरएफ की लगभग 106 टीमों को तैनात किया गया था। पश्चिम बंगाल/ओडिशा में से प्रत्येक में तैनात की गई 46 टीमों ने 1000 से भी अधिक व्यक्तियों की जान बचाई और 2500 से भी अधिक पेड़ों/खंभों को हटाया जो सड़कों पर गिर गए थे और जिनकी वजह से वहां आवागमन बाधित हो गया था। रक्षा बलों यथा थल सेना और तटरक्षक बल ने तूफान में विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए लोगों की भी जान बचाई, जबकि नौसेना और वायु सेना अलर्ट पर थीं। वैसे तो संबंधित राज्य चक्रवाती तूफान यास की वजह से हुए नुकसान के आकलन में अभी जुटे हुए हैं, लेकिन उपलब्ध प्रारंभिक रिपोर्टों से यही पता चलता है कि सटीक पूवार्नुमान लगाने और तूफान प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से प्रभावकारी ढंग से संवाद करने के साथ-साथ राज्यों एवं केंद्रीय एजेंसियों द्वारा समय पर लोगों की सुरक्षित निकासी करने से जान-माल का कम-से-कम नुकसान सुनिश्चित हो पाया। इसके साथ ही सैलाब या अतिवृष्टि के कारण जो नुकसान हुआ है, उसका आकलन किया जा रहा है। तूफान से प्रभावित अधिकतर क्षेत्रों में बिजली और दूरसंचार सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

प्रधानमंत्री ने चक्रवाती तूफान से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में केंद्र और राज्यों की एजेंसियों द्वारा निभाई गई अत्यंत प्रभावकारी एवं सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया और इसके साथ ही विभिन्न एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि तूफान प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य जीवन जल्द से जल्द बहाल हो और इसके साथ ही तूफान से प्रभावित व्यक्तियों के बीच राहत का वितरण उचित रूप से हो जाए।

बाबा रामदेव के खिलाफ आईएमए ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एलोपैथी पर बयान मामले में डॉक्टरों के संगठन आईएमए के महासचिव डॉ. जयेश लेले ने रामदेव के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। आईएमए का आरोप है कि बाबा रामदेव की तरफ से लोगों को गुमराह किया जा रहा है। ये शिकायत दिल्ली के आईपी एस्टेट थाने में दर्ज कराई गई है।

बाबा रामदेव का सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वे कह रहे हैं कि अरेस्ट तो उनका बाप भी नहीं कर सकता। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर निशाना साधते हुए ट्विट किया कि बाबा रामदेव को किसी का बाप भी गिरफ्तार नहीं कर सकता क्योंकि भाई औ बाप तो विपक्ष को गिरफ्तार करने में व्यस्त हैं। आईएमए की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा गया है। पत्र में कहा गया है कि रामदेव के टीकाकरण पर गलत सूचना के प्रचार को रोका जाना चाहिए। एक वीडियो में उन्होंने दावा किया कि वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के बाद भी 10,000 डॉक्टर और लाखों लोग मारे गए हैं। उन पर देशद्रोह के आरोपों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। बाबा रामदेव ने वायरल वीडियो में कहा था कि गजब का तमाशा है।

भारत की मौजूद सरकार को अलग तरह से दिखाने की कोशिश हो रही : जयशंकर

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत में मौजूदा सरकार को अलग तरह से दिखाने के लिए राजनीतिक कोशिश चल रही है। जबकि वहां सरकार की मनगढ़ंत राजनीतिक छवि तथा उसके वास्तविक कामकाज में अंतर है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जनरल एच आर मैकमास्टर के साथ बातचीत में जयशंकर ने यह बात कही। महामारी की वजह से भारत इस समय बहुत तनावपूर्ण दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, हम वास्तव में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में भोजन दे रहे हैं। पिछले साल कई महीने तक दिया और दूसरी लहर आने के बाद इस समय फिर से दे रहे हैं।हमारी सरकार ने 40 करोड़ लोगों के बैंक खातों में पैसा डाला है। जयशंकर ने कहा,हमारी सरकार ने यह किया है।इसकारण मेरा मानना है कि जब वास्तविक शासकीय फैसलों की बात होती है,तब आप देखते हैं कि रची गई मनगढ़ंत राजनीतिक छवि और वास्तव में हुए कामकाज में अंतर है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं कर सकता या ना ही कूटनीति के रूप में इस जायज बता सकता है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच संघर्ष विराम पर हालिया समझौते को अच्छा कदम बताया लेकिन इंगित किया कि दोनों देशों के बीच कुछ बड़े मुद्दे बाकी हैं। कोरोना वायरस की स्थिति पर विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया के एक हिस्से का टीकाकरण होना और एक हिस्से का नहीं होना, किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं होगा।

हर दिन 1 करोड़ लोगों के टीकाकरण की तैयारी : डॉ. वीके पॉल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद के पॉल ने गुरुवार को देश में वैक्सीन उपलब्धता की जानकारी देते हुए कहा कि जल्द ही भारत में 4 नए टीके आने वाले हैं। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार उत्पादन बढ़ाने के साथ हर दिन 1 करोड़ लोगों के टीकाकरण की तैयारी कर रही है। राज्यों की ओर से टीकों की कमी की शिकायत के बीच उन्होंने बताया कि राज्य सरकारों कुल उत्पादन का 25 फीसदी हिस्सा खरीद रही हैं। डॉ. पॉल ने कहा, राज्य हमारी वैक्सीन उत्पादन क्षमता को जानते हैं। जब उन्होंने कहा कि वे वैक्सीन खरीद में लचीलापन चाहते हैं तो नया सिस्टम लाया गया- केंद्र सरकार देश में उत्पादित 50 फीसदी टीकों की खरीद करेगी , जिन्हें राज्यों को मुफ्त में दिया जाएगा और इनका इस्तेमाल 45+ लोगों के लिए होगा। शेष 50 फीसदी राज्य सरकारें और प्राइवेट सेक्टर खरीदेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्यों को तय दिशा-निदेशों के अनुसार पारदर्शी तरीके से पयार्प्त टीके आवंटित कर रहा है। दरअसल, राज्यों को भी वैक्सीन की उपलब्धता के बारे में पहले से ही सूचित किया जा रहा है। निकट भविष्य में वैक्सीन की उपलब्धता बढ़ने वाली है और बहुत अधिक आपूर्ति संभव होगी। गैर-सरकारी माध्यम में राज्यों को 25 प्रतिशत खुराक मिल रही है और निजी अस्पतालों को 25 प्रतिशत खुराक मिल रही है। हालांकि, राज्यों द्वारा लोगों को इन 25 फीसद खुराकों को देने में ही हो रही मुश्किलों और समस्याओं को बहुत अधिक करके बताया जाता है। टीकाकरण में तेजी को लेकर पॉल ने कहा, हमें हर दिन 1 करोड़ डोज लगाने की तैयारी करनी होगी। यह अगले कुछ सप्ताह में संभव होगा। हमें इसकी तैयारी करनी होगी। हमने एक दिन में 43 लाख डोज को संभव बनाया। अगले तीन सप्ताह में हमें इसे 73 लाख तक ले जाना चाहिए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें सिस्टम बनाना होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीके की 20.25 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को 18-44 आयु वर्ग के 8,31,500 लाभार्थियों को कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक दी गई और टीकाकरण अभियान का तीसरा चरण एक मई से शुरू होने के बाद से 37 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मिलाकर 1,38,62,428 लोगों ने इसे प्राप्त किया है।

पहली और दूसरी डोज में अलग वैक्सीन लग जाए तो सरकार की राय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब किसी व्यक्ति को कोरोना वैक्सीन का पहला टीका तो कोविशील्ड का लगा था और दूसरा कोवैक्सिन का लग गया या फिर इसका उल्टा हुआ। इसे लेकर आशंकाएं भी जाहिर की गई हैं, लेकिन सरकार का कहना है कि ऐसी स्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है।

नीति आयोग की स्वास्थ्य समिति के सदस्य डॉ. वीके पॉल का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति को कोरोना वैक्सीन का अलग-अलग टीका लग जाता है तो घबराने की कोई जरूरत नहीं है। यह पूरी तरह से सुरक्षित है। यही नहीं उन्होंने कहा कि सरकार खुद ही दो टीकों को मिलाकर लगाने की प्लानिंग कर रही है। उन्होंने कहा कि ट्रायल बेसिस पर ऐसा करने की तैयारी है। वीके पॉल ने कहा, प्रोटोकॉल के मुताबिक एक ही वैक्सीन की दोनों डोज लगनी चाहिए। लेकिन यदि किसी व्यक्ति को अलग-अलग वैक्सीन की डोज लग जाती हैं तो यह घबराने की बात नहीं है। हम खुद ट्रायल बेस पर दवाओं की मिक्सिंग पर विचार कर रहे हैं। देश में कोरोना संकट को लेकर बात करते हुए नीति आयोग के सदस्य ने कहा कि सरकार की फाइजर कंपनी से बात चल रही है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीनों में कंपनी की ओर से भारत को एक निश्चित मात्रा में सप्लाई की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जुलाई तक भारत को फाइजर से टीकों की पहली खेप मिल सकती है।

मेहुल चौकसी के फंसने पर उसके वकील को नजर आ रही साजिश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एंटीगुआ से भागकर क्यूबा जा रहे पीएनबी घोटाले के आरोपी मेहुल चौकसी को डोमिनिका में पकड़ लिया गया है। एंटीगुआ के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउनी ने कहा है कि उनका देश भगौड़े कारोबारी को स्वीकार नहीं कर सीधे भारत भेजा जाएगा। इस तरह चौकसी को भारतीय एजेंसियों के शिकंजे में आते देख उनके वकील विजय अग्रवाल को पूरे घटनाक्रम में गड़बड़ी नजर आने लगी है। अग्रवाल ने कहा, मेरी समझ से वह अपनी इच्छा से डोमिनिका नहीं पहुंचे सकते हैं, मुझे कुछ गड़बड़ लग रहा है, जिस पर अभी कोई ध्यान नहीं दे रहा है कि आखिर वे कैसे डोमिनिका पहुंचे।

एंटीगुआ में लापता होने के बाद चौकसी डोमिनिका में पकड़ा गया। शुरूआत में उस एंटीगुआ के हवाले करने की तैयारी चल रही थी, लेकिन पीएम ब्राउनी ने कहा कि उसे सीधे भारत प्रत्यर्पित कर दिया जाए। चौकसी को एंटीगुआ की नागरिकता प्राप्त है। भारतीय नागरिकता अधिनियम की धारा 9 का हवाला देकर वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि चोकसी को केवल एंटीगुआ में प्रत्यर्पित किया जा सकता है, जहां की उनकी वैध नागरिकता है।

विजय अग्रवाल ने कहा, जिस वक्त मेहुल चौकसी को एंटीगुआ की नागरिकता मिली उसी वक्त भारत की नागरिकता खत्म हो गई। इस कारण आप्रवासन और पासपोर्ट अधिनियम, धारा 17 और 23 के अनुसार उन्हें केवल एंटीगुआ में प्रत्यर्पित किया जा सकता है। अग्रवाल ने कहा कि चोकसी को इसलिए भी भारत वापस नहीं लाया जा सकता क्योंकि एंटीगुआ में हाई कोर्ट ने भारत के किसी भी अनुरोध को मानने पर रोक लगा रखी है।

भारत में हैरान करने वाली थी कोरोना की दूसरी लहर : यूएन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में कोरोना की दूसरी लहर की रफ्तार बेहद हैरान करने वाली है। इसको देखते हुए महामारी की तीसरी लहर को लेकर सरकार को अपनी पुख्ता तैयारी रखनी होगी। संयुक्त राष्ट्र इस संकट के दौरान भारत के साथ खड़ा है और हर संभव मदद कर रहा है। महामारी की पहली लहर के दौरान मामलों के तेजी से बढ़ने में 6-7 महीने का समय लगा था। इसलिए इसकी तैयारी के लिए भी समय मिल गया था। लेकिन दूसरी लहर के दौरान संक्रमण के मामले बड़ी तेजी से बढ़े।

यूएन अधिकारी के मुताबिक पहली लहर के बाद उम्मीद की जा रही थी कि हालात बेहतर हो जाएंगे। पहली लहर से बाहर आने के बाद दूसरी लहर की आशंका बनी हुई थी। यही वजह थी कि इसकी तैयारी को लेकर सभी पूरी तरह से चौकस थे। लेकिन इस बार इसकी रफ्तार हमारी सोच से कहीं अधिक थी, जिसने सभी को हैरान कर दिया। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि भारत में अब हालात पहले की अपेक्षा काफी बेहतर हैं और विशाल जनसंख्या के बाद भी मामलों में अब लगातार गिरावट आ रही है। हालांकि उन्होंने कोरोना से हो रही मौतों पर चिंता जरूर जताई है। उनके मुताबिक भारत के अलग-अलग राज्यों में महामारी की लहर का प्रभाव भी अलग रहा है। देश में आई दूसरी लहर के दौरान अधिकतर लोग इससे प्रभावित हुए और इसकी चपेट में आए। संयुक्त राष्ट्र की रेनाटा डेजालिएन का मानना है कि भारत में दूसरी लहर का चरम बिंदु अब आकर निकल गया है। इस विनाशकारी दूसरी लहर ने तीसरी लहर का मजबूती से सामना करने के लिए कई सबक भी सिखाए हैं। उन्होंने कहा कि ये पहले से पता था कि दूसरी लहर जरूर आएगी। लेकिन हम मान रहे थे कि ये भी पहले की ही तरह रहेगी। लेकिन इसके उलट सबकुछ हुआ जिससे सभी हैरान रहे। इस इंटरव्यू के दौरान उन्होंने ये भी कहा कि पहली और दूसरी लहर के बीच हुई लापरवाही भी खतरनाक साबित हुई है। उन्होंने ये भी माना है कि भारत में कोरोना की तीसरी लहर की आशंका लगातार बनी हुई है। उनके मुताबिक अब तक इस बात का पता नहीं है कि ये कैसी होगी। ये बेहद मुश्किल काम है। इसकी वजह उन्होंने वायरस के बारे में कम जानकारी का होना माना है। यूएन अधिकारी ने कहा कि हम वायरस के बारे में अब भी काफी कुछ नहीं जानते हैं। इसलिए इसको ठीक से परिभाषित भी नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर तेजी से वैक्सीनेशन करने पर जोर दिया है। उन्होंने केंद्र और राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में दूसरी लहर ऐसे समय में आई जब देश आर्थिक रूप से पिछड़ने के बाद दोबारा पटरी पर आ रहा था। उनका कहना था कि भारत जैसे देश में स्थिति को दोबारा सुधारने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में वक्त लगता है।

कार्टून

अफगानिस्तान के बगलाम प्रांत में सेना ने तालिबान के एक हिरासत केन्द्र पर कब्जा कर उसमें बंधक बनाकर रखे गये 62 लोगों को रिहा कराया।

हमास आतंकी ने 5 साल के बच्चे को पकड़ाई एके -47, भड़का इजरायल

गाजा पट्टी, (एजेंसी)। संघर्षविराम होने के बावजूद हमास का टॉप कमांडर और खान यूनिस का कसाई के नाम से कुख्यात याह्या सिनवार ने कुछ दिन पहले ही गाजा पट्टी में इजरायली सेना के हाथों मारे गए एक आतंकी के बेटे को एके-47 पकड़ाकर अपने मंसूबों का ऐलान किया। इस दौरान हजारों लोगों की भीड़ याह्या सिनवार को घेरे हुए खड़ी थी। याह्या सिनवार को इजरायल में खान यूनिस का कसाई के नाम से जाना जाता है। यह वर्तमान में हमास के राजनीतिक विंग का प्रमुख है। सिनवार साल 2017 में हमास के पोलित ब्यूरो का मेंबर भी बना था।

याह्या इजरायल के खिलाफ शुरू से ही सबसे मुखर रहा है। इसने इजरायल की मदद करने वाले हजारों फिलिस्तीनियों को अपने हाथों से मारा है। इसे 2015 में अमेरिका ने स्पेशियली डेजिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट्स की सूची में डाल दिया था। जिसका मतलब यह व्यक्ति अमेरिका के लिए वांछित आतंकी है। अमेरिका ने हमास को भी आतंकी संगठन घोषित किए हुए है।

गाजा में इजरायल के युद्धविराम को फिलिस्तीनी लोग हमास की जीत बता रहे हैं। युद्धविराम के प्रभाव में आने के बाद हजारों फलस्तीनियों ने जश्न मनाया। उनमें से अनेक ने कहा कि युद्ध महंगा साबित हुआ लेकिन यह इस्लामी उग्रवादी समूह हमास की स्पष्ट जीत है। वहीं, इजराइल ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि यदि आगे कोई और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई की गई तो वह नए सिरे से पूरी ताकत से जवाब देगा। 11 दिनों तक चले युद्ध में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं जिनमें अधिकतर फिलिस्तीनी हैं। युद्ध में हमास शासित गाजा पट्टी में बड़े पैमाने पर तबाही हुई है जो पहले से ही एक कंगाल क्षेत्र है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को तल्ख शब्दों में चेतावनी दी कि यदि आगे कोई और हमला किया गया तो उसका नए सिरे से पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि हमास यह सोचता है कि हम रॉकेट हमलों को बर्दाश्त कर लेंगे तो वह गलत है।

अमेरिकी एनएसए ने अफगानिस्तान के अपने समकक्ष से की बातचीत

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान ने अफगानिस्तान के अपने समकक्ष हमदुल्लाह मोहिब से बात की और अन्य मुद्दों के साथ ही शांति प्रक्रिया पर भी चर्चा की।

व्हाइट हाउस ने कहा- बातचीत के दौरान सुलिवान ने इस पर जोर दिया कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बावजूद उनका देश अफगानिस्तान की सरकार के साथ खड़ा रहेगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एमिली होर्ने ने कहा, सुलिवान और डॉ मोहिब ने द्विपक्षीय साझेदारी की ताकत पर जोर दिया और एक-दूसरे से साथ करीबी विचार-विमर्श जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। सुलिवान ने अफगानिस्तान के लोगों को असैन्य सहायता देने के साथ ही अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों को सुरक्षा सहायता देते रहने की अमेरिका की योजनाओं के बारे में बताया। होर्ने ने कहा कि दोनों अधिकारियों ने अफगानिस्तान में युद्ध खत्म करने वाले राजनीतिक समझौते समेत साझा उद्देश्य की खातिर दोनों सरकारों के निकटता से एक-दूसरे के साथ काम करते रहने की महत्ता पर सहमति जताई।

उन्होंने बताया कि सुलिवान ने कहा कि अमेरिका अफगान लोगों के साथ दृढ़ता से खड़ा रहेगा। बाद में पेंटागन ने कहा कि अफगानिस्तान में अमेरिका के लिए भारत के साथ साझेदारी उम्मीदों भरी रही है।

अमेरिकी सेना को जगह दी तो होगी बड़ी भूल

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना पूर्ण वापसी के बीच तालिबान ने पड़ोसी देशों को धमकी दी है कि यदि उन्होंने अमेरिकी सेना को अपनी जमीन के इस्तेमाल की इजाजत दी तो ये उनकी सबसे बड़ी भूल साबित होगी। अमेरिका अफगानिस्तान से अपने बचे हुए 2500-3500 सैनिकों को वापस बुला रहा है। अटकलें हैं कि अमेरिका अफगानिस्तान के आसपास एक स्थान चाहता है जहां से वह आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला कर सके। इसके बाद तालिबान का बयान आया है।

तालिबन की धमकी के बाद पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर अमेरिका को अड्डा बनाने की इजाजत न देने का संकल्प लिया है। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी क्षेत्र से ड्रोन से हमले करने की भी कोई गुंजाइश नहीं है। तालिबान की तरफ से ये बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका अफगानिस्तान से अपनी फौज को पूरी तरह से वापस ले जाने की कवायद में जुटा है। अमेरिका पहले की ये साफ कर चुका है कि वो अमेरिका पर हुए सबसे बड़े आतंकी हमले (9/11) की बरसी से पहले सभी जवानों को वापस ले जाएगा। इसको लेकर अमेरिका लगातार अफगानिस्तान के सहयोगी और करीबी देशों के संपर्क में भी है। अमेरिका चाहता है कि अफगानिस्तान में तालिबान की मौजूदगी के बावजूद कोई ऐसा समाधान निकाला जाए जो सभी के लिए सही हो। वहीं भारत जैसे देश तालिबान की मौजूदगी को लेकर आशंकित हैं। अफगानिस्तान की मौजूदा सरकार भी इसको लेकर आशंकित है। वहीं अमेरिका के यहां से बाहर जाने की खबरों के बीच तालिबान अफगानिस्तान में एक बार फिर से अपना दायरा बढ़ा रहा है।

अमेरिकी सरकार ने फिलिस्तीन पर दिखाया प्यार, इजरायल हुआ नाराज

वेस्ट बैंक, (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजरायल-हमास के बीच संघर्ष के बाद बुरी तरह से तबाह गाजा की मदद का आश्वासन दिया है। ब्लिंकन ने फिलिस्तीन को अतिरिक्त मदद मुहैया कराने, यरुशलम में फिर से वाणिज्य दूतावास खोलने और इजरायल के पक्ष में पिछले अमेरिकी प्रशासन के रुख से अलग संबंधों को बहाल करने पर जोर दिया।

ब्लिंकन के रुख से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू नाखुश दिखाई दिए। ब्लिंकन के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी नेतन्याहू की नाराजगी साफ दिखी।

असल में, इजरायल और हमास के चरमपंथियों के बीच 11-दिन चले संघर्ष से हुई मौतों, मलबे में तब्दील हो चुकी इमारतों की तस्वीर इजरायल और फिलिस्तीनियों दोनों के दिमाग में अब भी ताजा हैं। इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्री की ये पहल अमेरिका की तटस्थ भूमिका को स्थापित करने की कोशिश है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से इतर बाइडन प्रशासन फिलिस्तीन की मदद के लिए आगे आया है। तत्कालीन ट्रंप प्रशासन ने फिलिस्तीन प्राधिकरण से राजनीतिक संवाद और फिलिस्तीनियों को मिलने वाली मदद को बंद कर दिया था, लेकिन इससे अलग रुख अपनाते हुए बाइडन प्रशासन ने फिलिस्तीन की मदद का फैसला किया है। यह अमेरिका की नीति में तेजी से आए बदलाव को दिखाता है। लेकिन इसमें बड़े जोखिम भी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिलिस्तीनियों के साथ संबंधों को फिर से बहाल करने से मध्य पूर्व में अमेरिका ने अपने सबसे विश्वसनीय सहयोगी इजरायल को नाराज करने का खतरा मोल ले लिया है।

इजरायल के नेता पहल से ही ईरान के साथ परमाणु समझौते में फिर से शामिल होने के बाइडन प्रशासन के प्रयासों को लेकर चिंतित हैं। इजरायल ईरान के परमाणु कार्यक्रम का लंबे समय से विरोध करता रहा है। ब्लिंकन ने यरुशलम और रामल्लाह में एक दिन में कई बैठकें कीं। इस दौरान वह बार बार हमास और इजरायल के बीच संघर्ष में नागरिकों की दुखद मौतों पर जोर देते रहे।

सीरिया में मतदान के लिए जाने से पहले डांस करते हुए छात्र।

रिसर्च में दावा-कोरोना से ठीक हो चुके 14 फीसदी मरीजों को हो रही है नई बीमारी

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना वायरस के संक्रमण से भले ही मरीज ठीक हो गया हो लेकिन उसमें कई तरह की नई बीमारियों का खतरा बना रहता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक शोध में दावा किया गया है कि कोरोना संक्रमण जाते-जाते भी कई स्वास्थ्य समस्याएं पीछे छोड़ जाता है। शोध के मुताबिक कोरोना से संक्रमित 14 फीसदी मरीजों के शरीर को कोरोना इस कदर प्रभावित करता है कि उन्हें फिर से अस्पताल का रुख करना पड़ता है।

लंदन स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च के शोधकताओं ने पिछले साल 1 जनवरी से 31 अक्तूबर के बीच कोरोना से संक्रमित होने वाले 1,93,113 मरीजों की सेहत का अध्ययन किया। इस शोध में 18 से 65 साल के उम्र वाले मरीजों को रखा गया था। इस शोध में इन मरीजों के कोरोना संक्रमित होने के 21 दिन तक उनके शरीर में हो रहे बदलाव पर नजर रखी। शोधकताओं ने नेशनल क्लेम्स डाटा का विश्लेषण कर इस बात का पता लगाया कि वायरस को मात देने के छह महीने के भीतर इन मरीजों ने किन नई बीमारियों का सामना किया है। शोध से मिले आंकड़ों की तुलना ऐसे मरीजों से की कई जो कोरोना से कभी संक्रमित नहीं हुए। शोधकताओं ने पाया कि कोरोना की चपेट में आने वाले 14 फीसदी मरीजों में कम से कम एक नई स्वास्थ्य समस्या देखी गई। इन स्वास्थ्य समस्याओं के कारण कोरोना मरीजों को अस्पताल का रुख भी करना पड़ा। स्वस्थ लोगों के मुकाबले कोविड-19 पर जीत हासिल करने वाले रोगियों के किसी नई बीमारी के कारण अस्पतालों में भर्ती होने की दर भी पांच फीसदी ज्यादा पाई गई है। मुख्य शोधकर्ता डॉक्टर इलेन मैक्सवेल ने बताया कि युवाओं में कोरोना से ठीक होने के बाद भी नई बीमारी का खतरा ज्यादा देखा गया है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों और बीमार मरीजों की तुलना में नई बीमारी से युवा ज्यादा प्रभावित दिख रहे हैं। इनमें वो मरीज भी शामिल हैं, जिन्हें पहले कभी भी सेहत संबंधी कोई परेशानी नहीं हुई थी।

पाकिस्तान में 18 साल की उम्र वालों को विवाह करना अनिवार्य

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बच्चों को बलात्कार से बचाने के लिए अजीबोगरीब विधेयक का मसौदा पेश किया गया है। अगर इस विधेयक को मंजूरी मिल जाती है तो पाकिस्तान में 18 साल की उम्र वालों को शादी करना अनिवार्य हो जाएगा। इस कानून का उल्लंघन करने वालों को सजा भी देने का प्रावधान है। पाकिस्तानी राजनेताओं ने कहा है कि इससे सामाजिक बुराइयों, बच्चों से बलात्कार और अनैतिक गतिविधियों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। प्रांतीय विधानसभा के मुत्ताहिदा मजलिस-ए-अमल (एमएमए) के सदस्य सैयद अब्दुल रशीद ने सिंध विधानसभा सचिवालय को सिंध अनिवार्य विवाह अधिनियम, 2021 का एक मसौदा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया है कि ऐसे वयस्कों के अभिभावकों जिनकी 18 साल की उम्र के बाद भी शादी नहीं हुई हो, उन्हें जिले के उपायुक्त के समक्ष इसकी देरी के उचित कारण के साथ एक शपथपत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रस्तावित विधेयक के मसौदे में कहा गया है कि शपथपत्र प्रस्तुत करने में विफल रहने वाले अभिभावकों को 500 रुपए का जुमार्ना देना होगा। रशीद के अनुसार, अगर विधेयक को कानून बनाने के लिए मंजूरी मिल जाती है तो इससे समाज में खुशहाली आएगी। प्रस्तावित विधेयक पेश होने के बाद जारी एक वीडियो बयान में रशीद ने कहा कि देश में सामाजिक कुरीतियां, बच्चों से बलात्कार, अनैतिक गतिविधियां और अपराध बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा इन सब को नियंत्रित करने के लिए मुस्लिम पुरुषों और महिलाओं को 18 साल की उम्र के बाद शादी करने का अधिकार दिया गया है और इसे पूरा करना उनके अभिभावकों, विशेषकर उनके माता-पिता की जिम्मेदारी है।

रूस के एस-500 मिसाइल सिस्टम की सभी जांचें पूरी

मास्को, (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऐलान किया है कि एस-500 मिसाइल सिस्टम के सभी जांच पूरी हो चुकी है। जिसके बाद अब दुनिया के सबसे ज्यादा अडवांस माने जाने वाले इस सिस्टम को जल्द ही रूसी सेना में तैनात किया जाएगा। रूस का दावा है कि इस सिस्टम के अत्याधुनिक रडार से दुश्मनों के स्टील्थ लड़ाकू विमान भी बच नहीं पाएंगे। ऐसे में अमेरिका के लिए पुतिन का यह ऐलान चिंता बढ़ाने वाला हो सकता है। अमेरिका को यह भी डर है कि रूस आने वाले दिनों में उसके दुश्मन देशों के यह सिस्टम बेंच सकता है। एस-500 डिफेंस सिस्टम को प्रोमटी भी कहा जाता है। एस-300 और एस-400 की तरह इस डिफेंस सिस्टम को रूस की सरकारी कंपनी अल्माज-एनेटी कॉपोरेशन विकसित कर रहा है।

जानकारी के अनुसार पुतिन ने कहा कि रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज लगभग 70 प्रतिशत एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल रेजिमेंट आधुनिक एस-400 सिस्टम से लैस हैं। इसके बाद बचे हुए रेजिमेंट्स में एस-500 मिसाइल सिस्टम तैनात किया जाएगा। इसके परीक्षण पहले ही सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं। एस-500 प्रोमेटी नाम का यह डिफेंस सिस्टम 400 से 600 किलोमीटर की दूरी तक दुश्मनों के मिसाइल और लड़ाकू विमानों को मार गिराने में सक्षम है। व्लादिमीर पुतिन ने रक्षा मंत्रालय और रक्षा उद्योग उद्यमों के साथ एक बैठक में कहा कहा कि रूसी सेना को वैश्विक सैन्य शक्तियों की रणनीति के हिसाब से खुद को तैयार रहना चाहिए। सभी प्रकार के सैनिकों को संतुलित और व्यवस्थित तरीके से विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रूस की सामरिक परमाणु क्षमता में भी काफी विकास हुआ है। जल-थल और नभ से परमाणु हथियारों को दागने में रूस बहुत पहले से सक्षम है।

रूसी एयरोस्पेस फोर्स के डिप्टी कमांडर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट-जनरल आंद्रेई युडिन ने दिसंबर 2020 में एक इंटरव्यू में कहा था कि रूस 2021 में दुनिया के सबसे एडवांस एस-500 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम पर अपना काम पूरा कर लेगा। उन्होंने रशिया टूडे बाततीच के दौरान कहा था कि एस-500 मोबाइल एयर डिफेंस और एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम विकसित करने का काम 2021 में पूरा होने वाला है। रूस के हथियारों में अब तक का सबसे सबसे उन्नत और आधुनित तकनीकी पर आधारित एंटी-मिसाइल सिस्टम है। पिछले साल ही रूसी उप प्रधानमंत्री यूरी बोरिसोव ने आधुनिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम के चरणबद्ध परीक्षण की घोषणा की थी।

कोलंबो पोर्ट के पास श्रीलंकाई एयरफोर्स ने एक कंटेनर जहाज की तस्वीर जारी की। इस जहाज में लगी आग के बाद धुआं उठ रहा था।

अभिनेत्री ने अपने जर्मन बॉयफ्रेंड से तोड़ दी सगाई

लंदन, (एजेंसी)। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रहे तनाव पर पूरी दुनिया की नजर है। कई देश हैं, जो इस दौरान इजरायल और फिलिस्तीन के बीच की जंग में बयानबाजी कर रहे हैं। इसमें से एक पाकिस्तान भी है।वहीं पाकिस्तान का इस मामले में मजाक उड़ाने के बाद वहां की अभिनेत्री ने अपने बॉयफ्रेंड से सगाई तोड़ ली है।

सगाई तोड़ने वाली अभिनेत्री का नाम जोया नासिर है। वह अपने बॉयफ्रेंड और जर्मन ब्लॉगर क्रिश्चियन बैट्जमैन के साथ सगाई करने जा रही थी। इस बीच क्रिश्चियन ने इजरायल और फिलिस्तीन के तनाव के बीच एक ट्वीट में पाकिस्तान का मजाक उड़ा दिया।इसके बाद उनकी मंगेतर जोया नासिर गुस्सा हो गई और उन्होंने सगाई तोड़ दी।

अंतरिक्ष में वार्महोल के जरिए यात्रा संभव

वाशिंगटन, (एजेंसी)। हालिया शोध में दो वैज्ञानिकों ने बताया है कि अंतरिक्ष में वार्महोल के जरिए यात्रा संभव है। वार्महोल की धारणा दो ब्रह्माण्ड के बीच सेतु के तौर पर पहली बार अल्बर्ट आइंस्टीन ने नाथन रोजन के साथ 1935 में दी थी। सैद्धांतिक तौर पर उन्होंने खोजा था कि ब्लैकहोल की सतह अंतरिक्ष के दूसरे हिस्से के बीच सेतु की तरह काम कर सकता है। तभी से अंतरिक्ष में इनके जरिए यात्राओं की कल्पनाएं की जा रही हैं। लेकिन इस विचार में दो चुनौतियां हैं, इन ट्यूब की कमजोरी और उनका बहुत ही ज्यादा पतला होना। वार्महोल की धारणा काफी पहले ही आ चुकी है लेकिन इसके अस्तित्व के अभी तक कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं। इसके होने की संभावना के पीछे सबसे ठोस तर्क यही है कि ब्लैकहोल के बारे में भी पहले ऐसा ही समझा जाता था, लेकिन अंततः उनका अस्तित्व सिद्ध हो गया। भौतिकविदों ने सिद्ध किया कि बहुत ही सिकुड़ा हुआ पदार्थ स्पेसटाइम को विकृत कर ब्लैक होल बना सकता है। यही बात आइंस्टीन द्वारा सबसे पहले सुझाए गए वार्महोल के बारे में भी सोची जा रही है कि वे वास्तव में हो सकते हैं और एक दिन उनका अस्तित्व सिद्ध होगा और ब्रह्माण्ड में यात्रा सुगम हो जाएगी। अमेरिका के इंस्टीट्यूट फॉर स्टडी के भौतिकविद जॉन माल्जासेना और प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के एलेक्सी मिलेकहिन ने एक तरीका पता लगाया है जो बड़े छेद पैदा कर सकता है। दोनों भौतिकविदों की दलील है कि रैलडल सुंदरम-दो मॉडल यात्रा करने योग्य वार्महोल समाधान संभव बनाता है, जहां वार्महोल इतने बड़े होते हैं कि यात्रा कर जिंदा रह सकें। इसके बाद साल 2017 में भौतिकविदों ने क्वांटम स्तर पर वार्महोल खोल पाने की बात की। यह दो क्वांटम वस्तुओं के बीच एक तरह का बहुत लंबी दूरी का कनेक्शन था। इस नई पद्धति ने वैज्ञानिकों को एक बड़ा और लंबे समय तक कायम रह सकने वाला वार्महोल बनाने के लिए प्रेरित किया। भौतिकविद लीजा रैंडल और रमन सुंदरम ने रैंडल- सुंदरम मॉडल्स को 1999 में प्रस्तावित किया है जिससे कणभौतिकी में हिग्स पदसोपान की समस्या का समाधान निकल सके। इस नए शोध को वार्महोल के पिछले अध्ययनों की प्रगति माना जा रहा है। इसमें एक ऐसी खास मशीन की कल्पना की जाती रही है जिससे इंसान ब्रह्माण्ड के दो बिंदुओं के बीच सफर कर सकेंगे जो बहुत ज्यादा दूरी पर स्थित लगते हैं। दोनों भौतिकविद अपनी इस खोज के जरिए डार्क मैटर का खास बर्ताव देखना चाहते हैं। वार्महोल की अवधारणा के बारे में कहा जाता है कि इसका अस्तित्व ब्लैकहोल से भी जुड़ा है। जहां ब्लैक होल सारा पदार्थ अपने अंदर खींचता है वहीं व्हाइटहोल की भी अवधारणा है जो वे पिंड होते हैं जो पदार्थ बाहर निकालते हैं और दोनों के बीच की कड़ी वार्महोल होता है। यह एक तरह की सुरंग या ट्यूब होती है जो दो बहुत ही दूर जो सैकड़ों या करोड़ों प्रकाशवर्ष दूर स्थित बिंदुओं को बहुत ही कम समय में जोड़ देती है। बता दें कि आपने विज्ञान फंतासी की फिल्मों में ऐसा दृश्य जरूर देखा होगा जिसमें एक गोला बनने के बाद लोग एक स्थान से किसी बहुत दूर स्थान पर आसानी से चले जाते हैं। बहुत से लोगों, यहां तक कई वैज्ञानिकों को लगता है कि समय और उसके जरिए लंबी दूरी की अंतरिक्ष यात्रा असंभव नहीं हैं। कथाओं में इस तरह के वार्महोल का भी जिक्र है जो ब्रह्माण्ड में लंबी दूरी की यात्राओं को चुटकियों में पूरी करने में सक्षम होते हैं।

नई दिल्ली में गुरुवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु को श्रद्धांजलि देते हुए।

केजरीवाल ने की केंद्र सरकार से मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली समेत देशभर में कोरोना वायरस रोधी टीके को लेकर मारा मारी है। वहीं, देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी संभावित लहर ने केंद्र सरकार के साथ दिल्ली सरकार की भी चिंता बढ़ा दी है। इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि बच्चों को टीका लगाने के लिए फाइजर का टीका भारत में जल्द से जल्द मंगवाना चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि फाइजर वैक्सीन को लाने के लिए प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से विशेषज्ञों की राय का हवाला देते हुए कहा कि आने वाले महीनों में कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर बच्चों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में समय रहते हमें उचित कदम उठाना चाहिए। यहां पर बता दें कि दिल्ली सरकार में बतौर उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी निभा रहे मनीष सिसोदिया ने केंद्र को यह भी सुझाव दिया है कि अगर वह वायरस की दूसरी लहर के कारण कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा में देरी करने का फैसला करती है तो वह छात्रों और शिक्षकों का टीकाकरण कर सकती है। मनीष सिसोदिया ने पिछले दिना कहा था कि अगर समय पर वैक्सीन मिल जाए तो दिल्ली सरकार 3-4 सप्ताह के भीतर सभी छात्रों को टीका लगा सकती है और ऐसा देशभर में किया जा सकता है। इसके बाद परीक्षा करवाई जा सकती है। यहां पर बता दें कि देशभर में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं की परीक्षाएं नहीं कराने के साथ 12वीं की परीक्षा को टालने का एलान किया है। वहीं, अब 12वीं परीक्षा कराने को लेकर तैयारी तेज हो गई है, लेकिन कई राज्य सरकार छात्रों को टीका लगाने के बाद ही परीक्षा कराने पर जो दे रही हैं।

लाल किले पर कब्जा करना चाहते थे किसान, दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में दावा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। किसान प्रदर्शन के दौरान 26 जनवरी को लाल किला परिसर में हुई हिंसा मामले में दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में कई हैरान करने वाले दावे किए गए हैं। लाल किला हिंसा मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट में यह बात सामने आई है कि प्रदर्शनकारी किसानों ने लाल किले पर कब्जा करने की योजना बनाई थी और इसे एक नया प्रदर्शन स्थल में तब्दील करने की साजिश थी। इतना ही नहीं, उन्होंने मोदी सरकार को बदनाम करने के उद्देश्य से 26 जनवरी की तारीख चुनी। पुलिस ने 3,224 पेज की अपनी चार्जशीट में लाल किले पर हुई हिंसा को पूर्व नियोजित बताया है। बता दें कि गणतंत्र दिवस के दिन ट्रैक्टर परेड के दौरान दिल्ली में कई जगह हिंसा की आग भड़की थी। पुलिस के सूत्रों ने चार्जशीट को लेकर कहा कि योजना के अनुसार किसान बड़ी संख्या में लाल किले में दाखिल हुए और घंटों परिसर में रहे। किसान लाल किले पर कब्जा करना चाहते थे और इसे एक नया प्रदर्शन स्थल बनाना चाहते थे। चार्जशीट में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शनकारी किसानों ने दुनियाभर में मोदी सरकार को बदनाम करने के लिए 26 जनवरी का विकल्प चुना। लाल किला हिंसा की चार्जशीट पर दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने आगे कहा कि इसके लिए नवंबर-दिसंबर में योजना बनाई गई क्योंकि हरियाणा और पंजाब में बड़ी संख्या में ट्रैक्टर खरीदे गए। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में इससे संबंधित डेटा भी अटैच किया है।

मीडिया कवरेज पर रोक के लिए सुशील कुमार की मां पहुंचीं दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहलवान सागर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार से जुड़े मामले में मीडिया ट्रायल पर रोक लगाने की मांग को लेकर दाखिल की गई एक याचिका पर सुनवाई के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को सहमति दे दी। इस याचिका में न्यायालय ने आपराधिक मामलों की मीडिया में रिपोर्टिंग के लिए एक दिशा-निर्देश बनाने की मांग की है। चीफ जस्टिस डी.एन. पटेल और जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने पहलवान सुशील की मां की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दे दी है। बेंच ने कहा कि याचिका पर शुक्रवार यानी 28 मई को सुनवाई की जाएगी। आरोपी सुशील कुमार की मां कमला देवी की ओर से दिल्ली विश्वविद्यालय में कानून के छात्र श्रीकांत प्रसाद ने याचिका दाखिल की है। याचिकाकर्ता श्रीकांत प्रसाद ने कहा कि आरोपी की मां ने उन्हें याचिका दाखिल करने की सहमति दी है। याचिका में कहा गया है कि इस मामले में मीडिया में आधारहीन तथ्यों को दिखाया जा रहा है और मुकदमे का ट्रायल शुरू होने से पहले ही मीडिया मामले में अपने हिसाब से ट्रायल कर रही है। याचिका में कहा गया है कि अभी पुलिस मामले की जांच ही कर रही है, लेकिन मीडिया सुशील कुमार को हत्यारे के तौर पर दिखा रही है। याचिका में केंद्र सरकार से मीडिया कवरेज के लिए दिशानिर्देश बनाने की मांग करने के साथ ही सुशील कुमार व अन्य के खिलाफ मॉडल टाउन थाने में दर्ज मामले में मीडिया संस्थानों को आधारहीन खबरें प्रसारित करने पर रोक लगाने का आदेश देने की मांग की गई है। याचिका में इस बात की जांच कराने की भी मांग की गई है कि मामले की जांच से जुड़े तथ्य मीडिया में कैसे आ रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि जांच से जुड़े तथ्य लीक करना आरोपी के अधिकारों का हनन है।

दिल्ली हाईकोर्ट का केंद्र से सवाल ब्लैक फंगस की दवाइयों पर इतना टैक्स क्यों

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना वायरस की आफत के बीच ब्लैक फंगस एक अलग संकट बन गया है।ब्लैक फंगस की बीमारी में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन की अभी भारत में कमी है, इसलिए इसे बाहर से इम्पोर्ट किया जा रहा है। ऐसे में इन दवाओं पर इम्पोर्ट ड्यूटी एक बड़ा मसला है। इसी को लेकर गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने केंद्र सरकार से सवाल किया है कि ब्लैक फंगस की दवाइयों पर इम्पोर्ट ड्यूटी इतनी ज्यादा क्यों हैं, जबकि यही दवा लोगों की जान बचाने के काम में आ रही है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि देश में दवाओं को लेकर इन दिनों वैसे ही किल्लत है। ऐसे में ये दवाइयां इस वक्त लोगों को ब्लैक फंगस से बचा रही हैं तो केंद्र सरकार को ऐसी दवाइयों पर से कस्टम ड्यूटी या इम्पोर्ट ड्यूटी हटा देनी चाहिए। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि अगर कोई व्यक्ति ब्लैक फंगस से जुड़ी दवाइयों को मंगाता है, तो उसे सिर्फ बॉन्ड देने की जरूरत होगी, किसी तरह की ड्यूटी नहीं। इसपर केंद्र ने अदालत को जवाब दिया गया है कि इस टिप्पणी को और वित्त मंत्रालय तक पहुंचाया जाएगा और अगले एक-दो दिन में इसपर फैसला हो जाएगा। बता दें कि भारत के लिए बड़ी तबाही बने कोरोना वायरस के कहर से निकलने के बाद कई मरीज म्यूकरमाइकोसिस यानी ब्लैक फंगस की चपेट में आ रहे हैं। कोरोना मरीजों के लिए ये नई बीमारी बड़ा सिरदर्द बन गई है। अब तक देश में ब्लैक फंगस के 10 हजार से ज्यादा केस रिपोर्ट किए गए हैं।

कोरोना काल में ऑक्सीजन व दवा के नाम पर लोगों से 60 लाख की ठगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में कोरोना काल में ऑक्सीजन एवं दवा मुहैया कराने के नाम पर ठगी करने वालों का गैंग भी सक्रिय थे। ऐसे ही गैंग का भंडाफोड़ दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने किया है जो कि अब तक 60 लाख से रुपए से ज्यादा की ठगी कर चुका था है। यह गैंग एक डाकिए की मदद से चल रहा था। पुलिस ने इस डाकिए को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, दो अन्य आरोपियों को रानी बाग पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शिबेश सिंह के अनुसार, बीते चार मई को रानी बाग निवासी नंदिनी ने ठगी की शिकायत दर्ज करवाई थी। उसे अपने पड़ोसी के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता थी, जो कोविड से संक्रमित था। सोशल मीडिया से उसे एक नंबर मिला, जो ऑक्सीजन सिलेंडर मुहैया कराने का दावा कर रहा था। 48 हजार रुपये में उसकी बात तय हो गई। उसने दो बार में उसके बैंक खाते में 48 हजार रुपये जमा करवा दिए। इसके बाद उसके नंबर को आरोपी ने ब्लॉक कर दिया। उसकी शिकायत पर रानी बाग थाने में एफआईआर दर्ज की गई। शिबेश सिंह के अनुसार, इस तरह से ठगी की कई घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था। उस समय लोगों में दवा, ऑक्सीजन आदि की कमी चल रही थी। ऐसे में जालसाज लगातार मरीजों के परिवार से ठगी कर रहे थे। ऐसी शिकायत मौर्या एन्क्लेव और पश्चिम विहार में भी दर्ज की गई है। इसे ध्यान में रखते हुए डीसीपी मोनिका भारद्वाज की देखरेख में एसीपी राजेश कुमार और इंस्पेक्टर लोकेंद्र चौहान की टीम ने छानबीन शुरू की। पुलिस टीम राजस्थान के अलवर और भरतपुर पहुंची। पुलिस को पता चला कि भरतपुर के गनोरी गांव से यह जालसाज सक्रिय हैं। बैंक खाते पर लिखा पता काला कुआं हाउसिंग बोर्ड अलवर के नाम पर था, लेकिन यह एड्रेस पुलिस को नहीं मिला।

दूध के ड्रम में शराब तस्करी करने वाला दूधिया गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने बुधवार सुबह दूध के ड्रम कंटेनर में अवैध शराब की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 40 बोतल अवैध शराब, दूध के चार ड्रम और काले रंग की मोटरसाइकिल जब्त की है। जानकारी के अनुसार, मंगोलपुरी के औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 के पास चेकिंग के दौरान कॉन्स्टेबल राम और कॉन्स्टेबल पवन ने शक होने पर आरोपी को पकड़ लिया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पुलिस को उस व्यक्ति पर तब संदेह हुआ जब आरोपी के पास इस बात का कोई संतोषजनक जवाब नहीं था कि उसकी मोटरसाइकिल पर नंबर प्लेट क्यों नहीं थी। मोटरसाइकिल और दूध के ड्रमों की जांच करने पर उनके अंदर छुपाकर रखी गई 750 एमएल की कुल 40 बोतलें बरामद की गईं। शराब की ये बोतलें हरियाणा में बिक्री के लिए थीं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हरियाणा के रोहतक जिले के गांव गांधारा निवासी 28 वर्षीय मनोज मंटा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया, पूछताछ में पता चला कि मनोज दूध विक्रेता है जो बहादुरगढ़ और दिल्ली के इलाकों में दूध सप्लाई करता था। वह आसानी से पैसा कमाने के लिए पिछले कुछ समय से अवैध शराब की सप्लाई का धंधा कर रहा है। हालांकि, पुलिस को उसके नाम पर कोई अन्य आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला। आरोपी के खिलाफ एस राज पार्क थाने में दिल्ली आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने 40 बोतल अवैध शराब, दूध के चार ड्रम और काले रंग की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

तेजी से बढ़ रहे हैं ब्लैक फंगस के मरीज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में ब्लैक फंगस (म्यूकर माइकोसिस) से पीड़ित मरीजों की संख्या लगभग 620 हो गई है। तीन दिन में ही 300 से ज्यादा रोगी अस्पतालों में भर्ती हो चुके हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे मामलों को देखते हुए अस्पतालों में अतिरिक्त वार्ड बनाए जा रहे हैं। लोकनायक के बाद अब जीटीबी अस्पताल में भी नए वार्ड तैयार किए गए हैं। जीटीबी अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर बी.एल शेरवाल ने बताया, अस्पताल में अभी ब्लैक फंगस के करीब 68 मरीज भर्ती हैं। इनमें से ज्यादातर मधुमेह से पीड़ित है। मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। दो दिन पहले तक रोगियों की संख्या केवल 30 थी। लेकिन अब इनमें 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो गई है। पहले चालू किए गए दोनों वार्ड भर गए हैं। इसको देखते हुए दो अतिरिक्त वार्ड बढ़ा दिए गए है। ब्लैक फंगस के इलाज के लिए नए डॉक्टरों की नियुक्ति भी की गई है। राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भी 55 मरीजों की क्षमता वाला एक वार्ड ब्लैक फंगस के मरीजों के लिए तैयार कर दिया गया है। अगले एक-दो दिन के भीतर सभी 55 बेड को शुरू करने की योजना है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि इसके लिए डॉक्टरों की तैनाती की जा रही है। इसकी प्रक्रिया पूरी होते ही ब्लैक फंगस का इलाज अस्पताल में शुरू हो जाएगा। दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में भी म्यूकोर माइकोसिस के मरीजों के लिए तीसरा वार्ड बनाया जा रहा है। यहां 70 से अधिक मरीजों का इलाज चल रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में ब्लैक फंगस के करीब 620 केस हो चुके हैं, लेकिन हमें दवाई नहीं मिल रही है।

दो गोदामों पर पुलिस का छापा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना काल के दौरान दिल्ली के द्वारका इलाके में कथित तौर पर इस्तेमाल हो चुके सर्जिकल दस्ताने बेचने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मनीष कुमार (39 वर्षीय), अरुण श्रीनिवासन (37 वर्षीय) और दिनेश कुमार (28 वर्षीय) के रूप में हुई है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि प्राथमिक जांच से पता चला कि आरोपियों ने टीकरी इलाके के एक व्यापारी के जरिए कबाड़ बाजार और अस्पताल से इस्तेमाल हो चुके सर्जिकल दस्ताने खरीदे थे। व्यापारी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने बताया कि डाबरी के थाना प्रभारी सुरेंद्र संधू के नेतृत्व में एक टीम ने डाबरी और बिंदापुर के दो गोदामों में मंगलवार को छापेमारी की और वहां से इस्तेमाल हो चुके 848 किलोग्राम सर्जिकल दस्ताने जब्त किए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस्तेमाल हो चुके इन सर्जिकल दस्तानों को साफ कर और पैकेट में बंद कर फैक्ट्रियों, सैलून और होटलों में सस्ते दामों पर बेचा जाता था। इनकी पैकिंग इस तरीके से की जाती थी कि कोई भी इनको पहचान नहीं पाता था। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) संतोष कुमार मीणा ने बताया कि मंगलवार को इस संबंध में एक मुखबिर के जरिए जानकारी मिली थी कि डाबरी और बिंदापुर की दो इमारतों में पहले से इस्तेमाल हो चुके दस्तानों को धोकर पैकेट में बंद किया जा रहा है। टीम ने इन स्थानों पर छापेमारी कर इस्तेमाल हो चुके 848 किलोग्राम दस्ताने बरामद किए। उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को बाद में सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश के अनुसार जमानत पर छोड़ दिया गया। फैक्ट्री से 98 बोरे बिना धुले, 60 बोरे धुले हुए सर्जिकल दस्ताने और आठ सौ पैकिंग बॉक्स बरामद हुए थे। फैक्ट्री में दो धुलाई मशीनें, एक सुखाने वाली मशीन तथा एक वाशिंग मशीन लगी हुई थी। फैक्ट्री को भजनपुरा दिल्ली निवासी गुड्डू उर्फ जमीर अहमद, अजीम अहमद पुत्र जहीर एवं चावड़ी बाजार दिल्ली निवासी परवेज पुत्र मोहम्मद यूसुफ चला रहे थे। आरोपियों ने बताया था कि नए दस्तानों का डिब्बा करीब 600 रुपये का आता है, लेकिन वह धुले हुए 100 जोड़ी दस्ताने के डिब्बे को 350 रुपये में दिल्ली के भगीरथ पैलेस मार्केट में थोक की दुकानों पर बेचते थे। इसके साथ ही अन्य मार्केटों में मांग के अनुसार भी सप्लाई की जाती थी।

मेरे खिलाफ चाहे हजारों पीआईएल दायर की जाए, लोगों की सेवा करना जारी रखूंगा- गौतम गंभीर

नई दिल्ली । कोविड-19 दवाओं के वितरण को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट की आलोचना का सामना कर रहे पूर्व क्रिकेटर और बीजेपी के सांसद गौतम गंभीर ने कहा कि भले ही उनके खिलाफ हजारों जनहित याचिकाएं दायर की जाए, लेकिन वो लोगों की जान बचाना जारी रखेंगे. पूर्वी दिल्ली से सांसद ने कहा कि उन्होंने वही किया जो उन्हें लोगों की सेवा के लिए आवश्यक लगा और वो किसी भी सजा का सामना करने के लिए तैयार हैं. बुधवार को गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में कहा कि मैंने जो दवाएं बांटी थीं, वो उस समय की जरूरत थीं. एक नहीं यदि मेरे खिलाफ हजारों जनहित याचिकाएं दायर की जाएं तो भी मैं लोगों की सेवा करता रहूंगा और उनकी जान बचाने की कोशिश करता रहूंगा. उन्होंने कहा कि वो अदालत के फैसले को स्वीकार करेंगे. उन्होंने कहा कि जब भी ऐसा अवसर आएगा वो फिर से ऐसा करेंगे.

एनडीएमसी ने 'ऑनलाइन सीखने और सिखाने के लिए स्मार्ट वीडियो कैसे बनाएं' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विद्यार्थियों को प्रगतिशील और रचनात्मक रूप से पढ़ाई में जोड़ने के लिये अच्छी और गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन शिक्षण सामग्री विकसित करने के उद्देश्य से, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के उपक्रम- विज्ञान प्रसार के सहयोग से एक इंटरैक्टिव वेबिनार का आयोजन किया।

यह वेबिनार पालिका परिषद और नवयुग स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए- ऑनलाइन सीखने और सिखाने के लिए स्मार्ट वीडियो कैसे बनाएं-विषय पर आधारित था।

इस अवसर पर पालिका परिषद के निदेशक (शिक्षा) श्री डीपी सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी से शिक्षण संस्थान बहुत प्रभावित हुए हैं और इसके परिणामस्वरूप पिछले साल से स्कूल बंद हैं और सीखने तथा सिखाने का तरीका कक्षाओ से बदल कर ऑनलाइन हो गया है।

उन्होंने आगे बताया कि इस महामारी की स्थिति के बावजूद, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद का शिक्षा विभाग अपने स्कूली छात्रों के शैक्षणिक भविष्य की देखभाल के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इसी उद्देश्य के लिए, पालिका परिषद ने अटल आदर्श शिक्षा और नवयुग प्रगति नामक दो यूट्यूब चैनल लॉन्च किए। ये चैनल शिक्षा का एक ऐसा उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जो पालिका परिषद विद्यालयों में प्रौद्योगिकी के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

इस वेबिनार में एजुकेशन विद साइंस से प्रख्यात पैनलिस्ट, सौरव सेन (वरिष्ठ सलाहकार), सुश्री प्राची गुप्ता (सामग्री प्रबंधक), पुनीत कद (परियोजना प्रबंधक), करनजीत (विद्यालय संपर्क प्रमुख) ने शिक्षकों के साथ सक्रिय रूप से विचारों का आदान प्रदान किया ।

वेबिनार में सुश्री प्राची गुप्ता ने वीडियो रिकॉर्डिंग के तकनीकी पहलुओं को बहुत आसान तरीके से समझाया, जबकि श्रीमती सिम्मी सचदेवा-मोती बाग विद्यालय प्रमुख ने तकनीकी गैजेट्स की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में बताया, जो स्मार्ट शैक्षिक वीडियो रिकॉर्ड करने में उपयोग किए जाते हैं।

श्रीमती अंजुम सिद्दीकी, संयुक्त निदेशक (शिक्षा) ने भी शिक्षकों को प्रेरित किया और शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों के लिए प्रस्तावित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को साझा किया. उन्होंने कहा कि यह वेबिनार पालिका परिषद के सभी शिक्षकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रोत्साहन सत्र रहा, जिससे अब शिक्षक अपने बनाये वीडियो विद्यार्थियों के लिये और उपयोगी तथा सरल बना सकेंगे।

इस वेबिनार में समन्वयक एस.सी.मीना-विद्यालय प्रमुख , हैवलॉक स्क्वायर-गोल मार्किट के साथ पालिका परिषद और नवयुग स्कूलों के 540 प्रतिभागी शिक्षकों ने वेबिनार में भाग लिया।

टूलकिट मामले में कांग्रेस प्रवक्ता व सोशल मीडिया प्रमुख को मिला नोटिस

नई दिल्ली । केंद्र सरकार को बदनाम करने के मकसद से कांग्रेस पर टूलकिट तैयार करने का आरोप लगाते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा के ट्वीट के बाद खड़ा हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस द्वारा संबित पात्रा के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत देने के बाद स्पेशल सेल ने कांग्रेस प्रवक्ता एमवी राजीव गौड़ा व सोशल मीडिया प्रमुख रोहन गुप्ता को नोटिस भेजकर जांच में शामिल होने को कहा है।

विगत 18 मई को दी गई शिकायत के बाद उन्हें नोटिस भेजा गया था कि वे संबंधित दस्तावेजों के साथ स्पेशल सेल के लोधी कालोनी स्थित कार्यालय में आकर जांच में शामिल हों। पुलिस के अनुसार, ये नोटिस दोनों को मिल गया है।

ज्ञात रहे इससे पहले टूलकिट को लेकर संबित के ट्वीट को ट्विटर द्वारा मैनीपुलेटेड मीडिया बताने पर स्पेशल सेल ने ट्विटर इंडिया के एमडी मनीष महेश्वरी को नोटिस भेजकर 48 घंटे के अंदर संबंधित दस्तावेजों से साथ लोधी कालोनी स्थित आफिस में आकर जांच में शामिल होने को कहा था, लेकिन तय समयसीमा बीत जाने के बावजूद वह जांच में शामिल नहीं हुए थे।

इसपर सोमवार को सेल की टीम ट्विटर के दिल्ली व गुरुग्राम स्थित आफिस भी गई थी, लेकिन दोनों जगह किसी अधिकारी के नहीं मिलने पर वापस लौट गई थी।

पुलिस का कहना है कि ट्विटर ने जब संबित पात्रा के ट्वीट को मैनीपुलेटेड मीडिया कहा है तो इससे यह समझा जा सकता है कि ट्विटर को टूलकिट तैयार किए जाने की सच्चाई के बारे में पता है और कुछ सोच समझकर ही ऐसा कहा गया होगा। आखिर सच्चाई क्या है, सच्चाई का पता लगाने के लिए ही सेल ने बीते 21 मई को ट्विटर इंडिया के एमडी को नोटिस भेजकर 48 घंटे के अंदर संबंधित दस्तावेजों के साथ जांच में शामिल होने के लिए बुलाया था।

संपादकीय

बेवजह का विवाद

किसी महामारी से जूझते हुए समाज में अगर चिकित्सकों को एक बेवजह के विवाद में उलझ जाना पड़े, तो इसे कोई अच्छा लक्षण नहीं माना जा सकता। योगगुरु रामदेव ने आधुनिक चिकित्सा पद्धति को लेकर जो बयान दिए, और उनसे जो विवाद खड़ा हुआ है, वह ऐसा ही विवाद है। रामदेव के आरोपों का जवाब आधुनिक चिकित्सकों के तमाम संगठनों ने दिया और यह मांग की कि वह माफी मांगें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने, जो खुद एक ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉक्टर हैं, योगगुरु रामदेव से आग्रह किया और रामदेव ने अपने बयान पर खेद भी व्यक्त किया, लेकिन यह विवाद थमा नहीं है। इस वक्त अगर किसी पेशे के लोग सबसे ज्यादा खतरा उठा रहे हैं, तो वह डॉक्टर ही हैं, जो दिन में कई-कई घंटे कोरोना मरीजों के इलाज में जुटे रहते हैं। देश भर से कई सौ डॉक्टरों की कोरोना से मौत की खबरें आई हैं, बल्कि दुनिया भर में इस महामारी से बहुत डॉक्टर जान गंवा चुके हैं। ऐसी स्थिति में उनके या उनके काम के बारें में विवादास्पद बातें करने से बचा जा सकता था; बचने की जरूरत है। ऐसी बातें करना न सिर्फ डॉक्टरों के मनोबल को गिराना है, बल्कि मरीजों के मन में भी इनसे संदेह पैदा होता है।

भारत में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का बहुत सम्मान है और उनके प्रति समाज में काफी गहरा विश्वास है। इसी वजह से भारत उन कुछ देशों में से एक है, जहां वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को भी मान्यता मिली हुई है। मगर यह भी सच है कि परंपरागत ज्ञान या अनुभव पर आधारित चिकित्सा पद्धतियों में बहुत कुछ मूल्यवान है, तो उनकी सीमाएं भी बहुत हैं, क्योंकि वे तब विकसित हुईं, जब सूक्ष्म जांच-परख के तरीके और उपकरण नहीं थे। आम तौर पर भारतीय जन इस बात को सहज रूप से जानता है, और यह समझता है कि कब उसे डॉक्टर या अस्पताल की शरण में जाने की जरूरत है। दूसरी तरफ, रामदेव जैसे योग व आयुर्वेद के प्रचारकों का प्रभाव भी समाज में काफी है, इसलिए जब वह सनसनीखेज दावे करते हैं या कोई आरोप लगाते हैं, तब उसका गलत असर हो सकता है। यह सही है कि कोरोना का अक्सीर इलाज आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में नहीं है, मगर चिकित्सा वैज्ञानिकों को यह भी मालूम है कि उनके ज्ञान की सीमा कहां है और वे उसके आगे बढ़ने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। कोरोना के मरीजों के इलाज में पिछले एक साल में बहुत तरक्की हुई है। दूसरे, कोरोना के गंभीर मरीजों को बचा सकने का जितना भी सामर्थ्य है, वह आधुनिक चिकित्सा में ही है। अगर किसी मरीज का ऑक्सीजन का स्तर एक हद से नीचे चला गया, तो वह किसी काढ़े या प्राणायाम से नहीं ठीक हो सकता, उसे ऑक्सीजन ही देना होगा। कोरोना एक ऐसी बीमारी है, जिसमें नब्बे प्रतिशत से ज्यादा मरीज अपने आप ठीक हो जाते हैं, चाहे वे कोई भी इलाज करें या न करें। इसलिए इसके बारे में अवैज्ञानिक दावे करना आसान है। लेकिन हमें यह समझना जरूरी है कि सवाल किसी पद्धति या व्यक्ति-संस्था की प्रतिष्ठा का नहीं, लोगों की सेहत का है, इसलिए थोड़ा संयम बरतना ठीक होगा। फिर अतिरंजित दावों से आयुर्वेद या परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों की विश्वसनीयता कम ही होती है। इसलिए अपनी सीमाओं को समझना सबके हित में है।

जान भी, इम्तिहान भी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की बारहवीं की परीक्षाओं का मामला जैसे-जैसे टल रहा है, वैसे-वैसे उलझ रहा है। यूं तो उम्मीद है कि एक जून 2021 को इस पर कोई फैसला आ जाए, पर मुद्दा यह है कि जो भी फैसला होगा वह सवालों से परे ना होगा। अगर पारंपरिक तरीके से ही ये इम्तिहान कराये जाने का फैसला होगा, तो सवाल यह है कि क्या ऐसा करना बच्चों के लिए और शिक्षकों के लिए सुरक्षित होगा। दिल्ली राज्य के उप मुख्यमंत्री ने बारहवीं की परीक्षाओं से जुड़ी बैठक में यह बात जोर देकर कही है कि बच्चों के टीकाकरण के बाद परीक्षाएं हों। यहां से दूसरा मुद्दा शुरू होता है। क्या इतने टीकों की व्यवस्था है सरकार के पास कि दिल्ली और पूरे देश के तमाम राज्यों में समुचित मात्रा में छात्रों को टीके लगाकर उन्हें परीक्षाकक्ष की तरफ भेजा जाए। देश टीकों की उपलब्धता की समस्या से जूझ रहा है, यह बात अब कोई ढकी छिपी है। पूरी दुनिया में एक वक्त टीकों के हब या टीकों के केंद्र के तौर चिह्नित भारत अब पूरी दुनिया में कोरोना के टीकों की तलाश में घूम रहा है। ऐसे में क्या कक्षा 12 की परीक्षाओं में जाने वाले बच्चों को टीका लगा पाना व्यावहारिक तौर पर संभव हो पाएगा। फिलहाल इस सवाल का जवाब नहीं में ही है। फिर एक विकल्प यह है कि ऑनलाइन परीक्षाएं ले ली जाएं, यानी बच्चे अपने घर और अपने कंप्यूटर से परीक्षाएं दे दें, यह विकल्प भी कई तरह की चुनौतियों से भरा है। क्या समूचे भारत में इंटरनेट की सेवाएं इस गुणवत्ता की हैं कि बच्चे अपने घर पर अपने कंप्यूटर पर परीक्षाएं दे पाएं। एक विकल्प यह भी है कि स्कूल अपने स्तर पर चुनिंदा विषयों की परीक्षाएं ले लें। पर स्थानीय स्तर पर स्कूल परीक्षाएं लेंगे, तो भी बच्चे तो वहां घर से निकल कर आएंगे ही। वैसे कोरोना संक्रमण की रफ्तार मोटे तौर पर दिल्ली और तमाम राज्यों में गिरती हुई दिख रही है। तब सोच समझकर किसी भी विकल्प पर फैसला लिया जाए। कक्षा 12 के परिणामों पर बहुत कुछ निर्भर करता है। ग्रेजुएशन को कोर्सों में दाखिला कक्षा 12 के परिणामों पर निर्भर करता है, एक हद यानी तमाम कॉलेजों में तमाम पाठ्यक्रमों का काम ठप रहेगा, तब तक जब तक कक्षा 12 के परिणाम नहीं आ जाते। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रचनात्मक हल निकाले जाने चाहिए, क्योंकि जान बचाना जरूरी है पर इम्तिहान भी जरूरी है।

प्रवीण कुमार सिंह

लगातार टेस्ट, वार्षिक परीक्षा

बैलगाड़ी के पहियों से बने पीली मिट्टी के रास्ते पर चलते हुए आखिर हम किसान के बताए रेल्वे-स्टोन तक पहुंच ही गए। रास्ते में एक ट्रैक्टर ने हमें बिठा लिया जिससे सफर कुछ आसान हो गया था।

प्रोफेसर ने बताया कि जिस धूल भरे रास्ते पर हम चल रहे हैं उसे राख कहते हैं। रेल पर उन्होंने एक दोहा सुनाया जो मुझे अच्छा लगा-'लीक-लीक गाड़ी चलै लीकहि चलै कपूत/ लीक छोड़ि तीनों चलैं कायर सिंह सपूत।' पता नहीं क्यों उस लम्बे रेल से गुजरते हुए मुझे फिल्म गॉडफादर का वह दृश्य याद आता रहा, जिसमें राइफल थामे माइकल कार्लियानो और उसके साथियों को सिसली के सूने वनों में भटकते हुए दिखाया गया है। ऐसा शायद रेल के दोनों ओर फैली सूनी घाटियों, इक्का-दुक्का झोंपड़ियों और कच्चे-पक्के मकानों की मौजूदगी के कारण हुआ होगा। रेल में एक मोड़ के बाद हमें किसी ट्रैक्टर की आवाज सुनाई दी। कुछ ही क्षणों में हमने देखा कि एक ट्रैक्टर बजरी से भरी ट्रॉली के साथ हमारे नजदीक आ रहा है। बजरी के उफपर घास के गट्ठर रखे थे। हमें एक जगह ठिठका खड़ा देखकर ट्रैक्टर-चालक ने प्रोपेफसर से पूछा-'राम राम कक्का! कितकौं जांगे? बैठि जाउफ।' 'स्टेशन जॉगे'-प्रोफेसर बोले। चालक का इशारा पाते ही हम ट्रॉली पर चढव गए और घास के एक गट्ठर पर बैठ गए। ट्रैक्टर-चालक ने हमसे कोई पूछताछ नहीं की क्यों कि वह मोबाइल पर किसी लड़की से अपनी रस-भरी बातों में उलझा था। वह जरूर उसकी प्रेमिका होगी। आगे जहां रेल का रास्ता दो दिशाओं में फूट रहा था वहां ट्रैक्टर-चालक ने हमें उतार दिया और फोन बीच में रोक कर बोला-'बसि झैंई ते चले जाउफ कक्का। नैक देर मेंईं पौंच जांगे।' राम-राम कहता हुआ वह अपनी दिशा में मुड़ गया। टैक्टर-चालक के जाते ही प्रोफेसर ने संदेह किया-'लगता है यह ट्रैक्टर रेत-खनन माफिया की उसी कतार से निकला है, जिसे हमने पिछली रात चम्बल के किनारे देखा था। गनीमत समझो कि अधिक बात नहीं हुई वरना ये लोग थाह लेने में माहिर होते हैं। जरा से विवाद पर गोलियां चल जाना यहां आम है।' पांच-सात मिनट में ही हम अपने गंतव्य पर पहुंच गए। रेल का सफर खत्म हो चुका था। हम एक अजनबी से रेलवे-स्टेशन के सामने खड़े थे।

बच्चों पर खतरा कितना बड़ा

पिछले कुछ दिनों से इस बात की चर्चा पुरजोर है कि कोरोना की तीसरी लहर आएगी और मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करेगी। इस बहस की शुरुआत कैसे हुई, यह कहना तो मुश्किल है, लेकिन आसपास हुई कुछ घटनाओं ने इस बात पर बल दिया। जैसे, सर्वोच्च अदालत की एक पीठ ने सुनवाई करते हुए सरकार से पूछा कि बच्चों को तीसरी लहर से बचाने के लिए उसके पास क्या योजना है? महाराष्ट्र ने बच्चों में कोविड की निगरानी के लिए एक अलग टास्क फोर्स का गठन किया है। कर्नाटक के बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने हर जिले में कोविड-19 से निपटने के लिए बाल चिकित्सा टास्क फोर्स गठित करने का सुझाव दिया। कुछ डॉक्टरों व विशेषज्ञों ने अपने बयान में बच्चों के गंभीर रूप से संक्रमित होने की आशंका जताई। इन सबसे अनजाने में यह संदेश जाने लगा कि तीसरी लहर निश्चय ही बच्चों को अधिक प्रभावित करेगी, जबकि इसका कोई आधार नहीं है। अब तक कई देश महामारी की तीन या चार लहरों का सामना कर चुके हैं, मगर दुनिया के किसी भी हिस्से से ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि किसी खास लहर में बच्चे बहुत अधिक प्रभावित हुए हैं। अपने यहां भी दिल्ली जैसे राज्य पहले ही चार लहर देख चुके हैं और किसी में भी बच्चों के अधिक बीमार पड़ने की खबर नहीं है। शहर, राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर हुए क्रमवार सीरो-सर्वे भी यही बताते हैं कि बच्चों में भी किसी अन्य आयु-वर्ग के समान संक्रमण होता है। अंतर सिर्फ यह है कि वे गंभीर बीमार नहीं होते, क्योंकि कोविड-19 जिस एसीई-2 रीसेप्टर पर हमला करता है, वह बच्चों में कम विकसित होता है और वायरस बच्चों के फेफड़ों तक पहुंचने का रास्ता नहीं खोज पाता। फिर भी, सवाल उठता है कि ऐसा क्यों सोचा जा रहा है कि अगली लहर में बच्चे अधिक प्रभावित होंगे?

> " तीसरी लहर निश्चय ही बच्चों को अधिक प्रभावित करेगी, जबकि इसका कोई आधार नहीं है। अब तक कई देश महामारी की तीन या चार लहरों का सामना कर चुके हैं, मगर दुनिया के किसी भी हिस्से से ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि किसी खास लहर में बच्चे बहुत अधिक प्रभावित हुए हैं। "

पहली बात, यह संभव है, कई डॉक्टरों ने इस बार पहली लहर की तुलना में बच्चों में अधिक मामले देखे हों, लेकिन यह सच हर आयु-वर्ग के लिए है, क्योंकि इस बार देश भर में कोरोना संक्रमण के मामले चार से छह गुना बढ़ गए हैं। जाहिर है, डॉक्टरों (जिनके पास सिर्फ उन मरीजों की जानकारी होती है, जो उन्होंने देखे। इसे अंश या नुमेरटर कहेंगे) और महामारी व सांख्यिकी विशेषज्ञों (जिनके पास पूरी आबादी के लिहाज से व्यापक तस्वीर होती है) को मिलकर काम करने की जरूरत है, तभी सही-सही तस्वीर सामने आ सकेगी। दूसरी बात, बच्चों के बीमार होने पर जब अस्पताल जाने की नौबत आती है, तो लोग नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र जाने के बजाय हमेशा 'अगले उच्च स्तर की बेहतर सुविधाओं वाले अस्पताल' जाने की कोशिश करते हैं। जैसे, गांवों में रहने वाले लोग शहरों में आते हैं, शहर वाले बड़े शहर जाना चाहते हैं, और बड़े शहर वाले महानगर में। इसीलिए हो सकता है कि महानगरों और बड़े अस्पतालों में काम कर रहे डॉक्टरों ने दूसरी लहर में तुलनात्मक रूप से अधिक बच्चों को देखा हो। मगर तथ्य यह है कि कुछ ही हफ्ते पहले नीति आयोग और आईसीएमआर ने जब दोनों लहरों में आयु-वर्गों की तुलना करते हुए आंकड़े जारी किए थे, तब उसमें बताया गया कि दूसरी लहर में अस्पतालों में भर्ती कुल मरीजों में 20 साल से कम उम्र वाले मरीजों की हिस्सेदारी 5.8 फीसदी है, जबकि पहली लहर में यह आंकड़ा 4.2 प्रतिशत था। जाहिर है, बच्चों में संक्रमण अब भी कम है और बदलाव न के बराबर।

तीसरी बात, फिलहाल इस बात के कोई सुबूत नहीं हैं कि कोरोना वायरस ज्यादा बच्चों को गंभीर बीमार कर रहा है। फिर, हम यह भी जानते हैं कि कोरोना के बढ़ते मामलों को संभालने के लिए जिस तरह से अतिरिक्त अस्थाई केंद्र बनाए गए, बच्चों के लिए उस तरह की अतिरिक्त व्यवस्थाएं नहीं की गईं। इसीलिए, अस्पतालों में बिस्तर और वेंटिलेटर की कमी के कारण सिर्फ गंभीर और अति-गंभीर मरीजों को ही भर्ती किया गया, फिर चाहे वे किसी भी आयु-वर्ग के हों। इससे इलाज में शामिल डॉक्टरों को लगा होगा कि इस बार गंभीर मरीजों की संख्या अधिक है, जबकि इसका मूल कारण था, ट्राइज, यानी मरीजों की भर्ती के चुनाव का तरीका। साफ है, इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है कि आने वाली कोई लहर बच्चों को अधिक और गंभीर रूप से प्रभावित करेगी। फिर भी, महामारी को काबू करने की प्रभावी रणनीति के तहत सरकारों को दोनों लहरों में उम्र, लिंग और अन्य मानकों पर कोविड-19 के उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण जरूर करना चाहिए, और उनके नतीजों को सार्वजनिक भी करना चाहिए। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है, ताकि साक्ष्य-आधारित रणनीति बन सके और भय पैदा करने वाले निराधार दावों या दलीलों की हवा निकाली जा सके।

साथ ही, केंद्र और राज्य, दोनों स्तरों पर सरकारों को तीसरी लहर में हर परिस्थिति (जो डाटा-आधारित हो, राय-आधारित नहीं) से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। बच्चों के लिए भी कोविड-जांच और इलाज के बेहतर इंतजाम होने चाहिए। सभी आयु-वर्गों के लिए जीनोमिक सिक्वेंसिंग और निदान संबंधी अध्ययन नियमित रूप से होने चाहिए। अच्छा तो यह होगा कि बजाय एक अलग टास्क फोर्स के, बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों को शामिल करते हुए राज्य स्तर पर पहले से सक्रिय एकीकृत टास्क फोर्स ही सभी रणनीतियों और योजनाओं को समग्र रूप से देखे। बच्चों के लिए टीकाकरण भी हमारी राष्ट्रीय व राज्य स्तर की योजनाओं का हिस्सा होना चाहिए। जरूरी यह भी है कि डॉक्टर अपनी धारणा अस्पतालों या स्वास्थ्य केंद्रों के अपने अनुभवों के आधार पर न बनाएं और तमाम पहलुओं पर गौर करें। कुल मिलाकर, अभी यही कहा जा सकता है कि तीसरी लहर (जब भी यह होगी) में हमारे नौनिहालों पर सबसे अधिक जोखिम होने के दावे में दम नहीं है। हां, बेवजह की चिंता किए बिना हमें अपनी तैयारी जरूर रखनी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ऑनलाइन माध्यम से संभावनाओं के द्वार

यह डिजिटल समय है, जहां सूचनाएं, संवेदनाएं, सपने, आकांक्षाएं, जिंदगी और यहां तक कि कक्षाएं भी डिजिटल हैं। इस कठिन कोरोना काल ने भारत को असल में डिजिटल इंडिया बना दिया है। जिंदगी का हर हिस्सा तेजी से डिजिटल हुआ है। बचा-खुचा होने को आतुर है। पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में इसका व्यापक असर हुआ है। प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों ने ऑनलाइन कक्षाओं का सहारा लेकर नये प्रतिमान रचे हैं। आने वाले समय में यह चलन कितना प्रभावी होगा, यह तो नहीं कहा जा सकता, किंतु संकट काल में संवाद, शिक्षा और सहकार्य के तमाम अवसर इस माध्यम से प्रकट हुए हैं।

हमारे जैसे पारंपरिक सोच के शिक्षकों में ऑनलाइन शिक्षा को लेकर जो हिचक है, वह टूटी नहीं है। बार-बार कहा जा रहा है कि ऑनलाइन कक्षाएं वास्तविक कक्षाओं का विकल्प नहीं हो सकतीं क्योंकि एक शिक्षक की उपस्थिति में कुछ सीखना और उसकी वर्चुअल उपस्थिति में कुछ सीखना, दोनों दो अलग-अलग परिस्थितियां हैं। संभव है कि हमारा अभ्यास वास्तविक कक्षाओं का है और हमारा मन और दिमाग इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है कि ऑनलाइन कक्षाएं भी सफल हो सकती हैं।

दिमाग की कंडीशनिंग (अनुकूलन) कुछ ऐसी हुई है कि हम वर्चुअल कक्षाओं को वह महत्ता देने के लिए तैयार नहीं हैं जो वास्तविक कक्षाओं को देते हैं। फिर भी यह मानना होगा कि आभासी दुनिया आज तमाम क्षेत्रों में वास्तविक दुनिया को मात दे रही है। निजी जीवन में हम जिस तरह डिजिटल हुए हैं, क्या वह पहले संभव दिखता था। हमारी बैंकिंग, हमारे बाजार, हमारा खानपान, तमाम तरह के बिल भरने की प्रक्रिया, टिकिटिंग और ट्रैवलिंग के इंतजाम क्या कभी ऑनलाइन थे पर समय ने सब संभव किया है। आज एटीएम जरूरत है तथा ऑनलाइन टिकट वास्तविकता। ऐसे में यह कहना बहुत गैर जरूरी नहीं है कि ऑनलाइन माध्यम ने संभावनाओं के नये द्वार खोल दिए हैं। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम को इस कोरोना संकट ने मजबूत कर दिया है।

बावजूद इसके हम देखते हैं तो ऑनलाइन कक्षाओं ने संसाधनों का एक नया आकाश रच दिया है। जो व्यक्ति आपकी किसी क्लास, किसी आयोजन, कार्यशाला के लिए दो घंटे का समय लेकर नहीं आ सकता, यात्रा में लगने वाला वक्त नहीं दे सकता वही व्यक्ति हमें आसानी से उपलब्ध हो जाता है क्योंकि उसे पता है कि उसे अपने घर या आफिस से ही यह संवाद करना है और इसके लिए उसे कुछ अतिरिक्त करने की जरूरत नहीं है। आप दिल्ली, चेन्नई या भोपाल में होते हुए भी विदेश के किसी देश में बैठे व्यक्ति को अपनी ऑनलाइन कक्षा में उपलब्ध करा सकते हैं। इससे शिक्षण में विविधता और नये अनुभवों का सामंजस्य भी संभव हुआ है।

इस शिक्षा का ना तो भूगोल है, न ही समय सीमा। इन लॉकडाउन के दिनों में अनेक मित्रों ने कई विषयों में ऑनलाइन कोर्स कर अपने ज्ञान को समृद्ध किया है। भोपाल का एक विश्वविद्यालय सूदूर अरुणाचल विश्वविद्यालय के विद्वान मित्रों के साथ एक साझा संगोष्ठी ऑनलाइन आयोजित कर लेता है। यह किसी विदेशी विश्वविद्यालय के साथ भी संभव है। यात्राओं में होने वाले खर्च, आयोजनों में होने वाले खर्च, खानपान के खर्च जोड़ें तो ऐसी संगोष्ठियां कितनी महंगी हैं, बावजूद इसके किसी व्यक्ति को साक्षात सुनना और देखना। साक्षात? संवाद करना और वर्चुअल माध्यम से उपस्थित होना, इसमें अंतर है। यह रहेगा भी। बावजूद इसके जैसे-जैसे हम इस माध्यम के साथ सहज होते जाएंगें, यह माध्यम भी वही सुख देगा जो किसी की भौतिक उपस्थिति देती है। शायद कई शिक्षकों को इस माध्यम के साथ वह सहजता न महसूस हो रही हो, संभव है कि आपकी वर्चुअल कक्षा में उपस्थित छात्र या छात्रा उसके साथ ज्यादा सहज हों। किंतु आवश्यकता और मजबूरियां हमें नये विकल्पों पर विचार के लिए बाध्य करती हैं।

इस कठिन समय में ऑनलाइन शिक्षा आज एक वास्तविकता है, जिसे हम मानें या न मानें स्वीकारना पड़ेगा। कोरोना संकट ने हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े किए हैं। जिसमें क्लास रूम टीचिंग की प्रासंगिकता, उसकी रोचकता और जरूरत बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। इसे ज्यादा सरोकारी, प्रभावशाली बनाने की विधियां निरंतर खोजी जा रही हैं। इस दिशा में सफलता भी मिल रही है। गूगल मीट, जूम, जियो मीट, स्काइप जैसे मंच आज की डिजिटल बैठकों के सभागार हैं। जहां निरंतर सभाएं हो रही हैं, विमर्श निरंतर है और संवाद 24म7 है। कोरोना के बाद जिंदगी और शिक्षा के माध्यम क्या वैसे ही रहेंगे, यह सोचना भूल होगी। दुनिया ने हमेशा नवाचारों को स्वीकारा है, इस नवाचार के तमाम हिस्से हमारी जिंदगी में शामिल हो जाएगें, इसमें दो राय नहीं है।

डिजिटल कारोबार का लाभप्रद परिदृश्य

जिम्मेदारी एक भारी शब्द है। अगर व्यक्ति-संस्था ईमानदार है, कर्तव्यपरायण है तो जिम्मेदारी बोझ नहीं लगती है। यदि ऐसा नहीं है, तो यह अपने साथ तमाम उलझनें लाता है। सरकारी कामकाज में तो अक्सर इससे पल्ला झाड़ने की कोशिश तमाम कर्मचारी और विभाग करते हैं। घूस मिल जाए तो जिम्मेदारी सहज याद आ जाती है। पुलिस महकमे में यह बीमारी कुछ ज्यादा ही है। वहां ईमानदार पुलिसकतमयों-अधिकारियों को छोड़कर ज्यादातर का व्यवहार काम के प्रति ऐसा रहता है कि वह उनका नहीं किसी और का है। कोई अपराध या दुर्घटना हो जाए तो बात थाने के क्षेत्राधिकार में अटकाई जाती है। कहा जाता है कि मामला इनके नहीं, उनके इलाके का है।

बिहार के खगड़िया जिले की एक घटना का हालिया संदर्भ देखें तो बात ज्यादा साफ हो जाती है। वहां एक दुर्घटना में नाबालिग की मौत हो गई। रेलवे लाइन के करीब दो ट्रैक्टर की खींचातानी में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गया। इसमें बच्चे की जान चली गई। पुलिस को सूचना मिली तो जिम्मेदारी से बचने के लिए उसने सीमा का विवाद खड़ा कर दिया। जिम्मेदारी घटनास्थल से शव उठाने और घटना की प्राथमिक सूचना रिपोर्ट यानी एफआईआर दर्ज करने की थी।

इसके लिए रेलवे थाना और स्थानीय थाने के प्रभारी एक-दूसरे की जिम्मेदारी बताते रहे। इस कारण करीब 15 घंटे तक बालक का शव घटनास्थल पर ही रखा रह गया। मामला दुर्घटना का था, इसलिए प्राथमिक सूचना रिपोर्ट यानी एफआईआर दर्ज कराना लाजिमी था। मृतक बच्चे के परिजनों को थाने के इलाके में इतना उलझाया गया कि वे असमंजस में पड़ गए कि आखिर एफआईआर कहां दर्ज कराई जाए। स्थानीय थाना प्रभारी का कहना था कि चूंकि घटना रेलवे सीमा क्षेत्र की है, इसलिए इसकी जांच और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं का पालन रेलवे थाना पुलिस को करना होगा। रेलवे के थानेदार का तर्क था कि चूंकि इस मामले में रेलवे की कोई क्षति नहीं हुई है, इसलिए घटना लोकल थाना क्षेत्र की है। सवाल है कि आखिर थाने ऐसी घटनाओं में जिम्मेदारी से क्यों भागते हैं और क्या इस बारे में कोई नियम-कायदा नहीं है। दायरा या साधारण शब्दों में कहें तो पुलिस थाने के क्षेत्राधिकार के स्पष्ट नियम है। सामान्यतः किसी थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण को असरदार बनाने के लिए थाने के इलाके को उसके क्षेत्रफल के अनुसार छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दिया जाता है। हरेक छोटे हिस्से को डिवीजन का नाम दिया जाता है। कामकाज में सहूलियत रहे, इसके लिए प्रत्येक डिवीजन को भी छोटे-छोटे हिस्सों में बांटने की इजाजत है।

पुलिस नियमावली में इस क्षेत्राधिकार की सबसे निचली पायदान को बीट कहते हैं, जिसमें (प्रत्येक बीट में) एक प्रधान सिपाही बीट अफसर के रूप में नियुक्त किया जाता हैग जबकि एक डिवीजन में हेड कांस्टेबल से ऊपर के रैंक का अधिकारी जैसे कि सहायक उपनिरीक्षक या उप-निरीक्षक इंचार्ज होता है। इन सभी की मिली-जुली जिम्मेदारी है कि वे अपनी डिवीजन में वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों-निर्देशों का पालन कराएं और अपराध आदि घटनाओं पर नियमित गश्त आदि से निगरानी रखकर नियंत्रण करें। भारतीय दंड संहिता की धारा 177, 178 और 179 में पुलिस के न्यायिक क्षेत्राधिकार का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इसमें धारा 177 कहता है कि किसी भी घटना की जांच वही न्यायालय/(पुलिस) करेगा, जिसके अंतर्गत केस हुआ हो।

धारा 178 में लिखा है कि अगर घटना का संबंध एक से अधिक स्थानों से है यानी घटना का स्थान निश्चित नहीं हैग तो उसकी जांच इन क्षेत्रों में से किसी भी एक न्यायालय के अधीन विवेकानुसार की जा सकती है। इसी तरह धारा 178 के मुताबिक अगर किसी घटना के तार एक से अधिक जगहों से जुड़े हैं, तो जांच वहीं होगीग जहां घटना घटी है। आपात स्थितियों और दुर्घटनाओं में भी हरेक थाने के क्षेत्राधिकार को और उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित किया गया है, लेकिन यह सब कुछ तभी हो सकता है कि पुलिस महकमे में तैनात हर कर्मचारी-अधिकारी की मंशा कानून-व्यवस्था सुचारू रखने में दिलचस्पी हो। विंडबना यह है कि जो पुलिस किसी घटना-अपराध की जांच-पड़ताल में इलाके का सवाल उठाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ती है, वही पुलिस राजनीतिक आकाओं के निर्देश पर उन मामलों में घुसपैठ करने से बाज नहीं आती जिनसे उनका सीधा ताल्लुक भले न हो। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत का मामला हर कोई जानता है। जाहिर है, मंशा साफ होगी और ड्यूटी समझी जाएगी तो क्षेत्राधिकार का मसला इतना पेचीदा नहीं कि उसे सुलझाया न जा सके।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

सागर: कलेक्टर की फेसबुक आईडी हैक

सागर। सागर कलेक्टर दीपक सिंह के नाम से किसी ने फेक फेसबुक अकाउंट बना दिया है। सायबर अपराधियों ने उसके ज़रिए लोगों से पैसा मांगना शुरू कर दिया। ये पता लगते ही हड़कंप मच गया। जैसे ही कलेक्टर दीपक सिंह को ये पता चला कि उनके नाम से फेसबुक अकाउंट से परिचितों से पैसे मांगे जा रहे हैं वो हरकत में आ गए। उन्होंने फौरन सायबर सेल में इसकी शिकायत कर दी। सायबर सेल इस मामले की जांच कर रहा है। इस बीच दीपक सिंह ने सोशल मीडिया पर मैसेज जारी कर लोगों को फेक अकाउंट के बारे में आगाह किया। उन्होंने लिखा अगर आप लोगों के पास मेरे नाम से कोई मैसेज आए तो झांसे में ना आएं। तत्काल ब्लॉक अथवा रिपोर्ट करें। कलेक्टर ने अपना वीडियो भी जारी कर इसकी जानकारी दी।

डबरा: पत्नी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या

डबरा। बेलगढ़ा थाना क्षेत्र के केठौद गांव में एक युवक ने अपनी पत्नी की मामूली विवाद के चलते डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी,आक्रोशित युवक ने अपनी पत्नी को जब तक पीटा, तब तक उसके प्राण नही निकल गए, घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार बेलगढ़ा थाना क्षेत्र के कैठोद गांव में ज्ञान सिंह पुत्र मेघराज बाथम ने बुधवार रात को पत्नी से हुए विवाद के बाद डंडे से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया, युवक ने पीट-पीटकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया, और मौके से भाग गया, घटना के बाद पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक महिला का शव निगरानी में लेकर पीएम के लिए भिजवाकर आरोपी पति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

जबलपुर: सब्जी बिक्रेता ने आरक्षक को चाकू मारा

जबलपुर। सड़क में ठेला लगाकर सब्जी बेचने से मना करने पर एक युवक ने पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार गढ़ा थाना क्षेत्र के आनंदकुंज के समीप लॉकडाउन के समय सड़क में ठेला लगाकर सब्जी बेचने से मना करने पर शेख अब्दुल उस्मानी ने पुलिस आरक्षक अजय श्रीवास्तव पर चाकू से हमला कर दिया। इससे अजय घायल हो गया। जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वहीं आसपास के ठेले वाले वारदात के बाद भागते नजर आये। पुलिस ने बताया कि आरोपी एक अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति है जिसके खिलाफ पांच न्यायालय में विचाराधीन हैं। आरोपी मौके से फरार हो गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

निवाड़ी: बैंक से पैसे निकालने आए व्यक्ति की मौत

निवाड़ी। पृथ्वीपुर थाना अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेगुवां के मध्यांचल ग्रामीण बैंक में 47 वर्षीय व्यक्ति पैसे निकालने के लिए आया हुआ था जिसकी अचानक मौत हो गई। चन्द्रपुरा ग्राम निवासी घनश्याम बंशकार उम्र 47 वर्ष गुरुवार को दोपहर 12 बजे नेगुवां के मध्यांचल ग्रामीण बैक से दो हजार रुपए निकालने के लिये आया हुआ था। पैसे निकालते समय अचानक उसे मुर्गी का दौरा पड़ा और वह जमीन पर गिर गया। देखते ही देखते उसकी मौत हो गई। परिजनों को सूचना मिलते ही वह नेगुवां पहुंचे जहां से उसे लेकर वह अपने घर चले गए। साथ ही बैंक कर्मियों के द्वारा निकाले गए 2000 रुपए भी परिजनों को दे दिए।

सागर: एक बैंक और दो फायनेंस कंपनी सील

सागर। जिले में कोरोना गाइड लाईन का पालन न करने पर एक बैंक के साथ ही दो फायनेंस कंपनी के कार्यालय को सील कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कोरोना गाईड लाईन का पालन न करते पाये जाने पर गोपालगंज स्थिति सेंट्रल बैंक शाखा , बजाज एलियांज लाईफ बीमा लिमिटेड एवं एक प्रायवेट फायनेंस बैंक को सील किया गया। निगम आयुक्त आर पी अहिरवार के साथ प्रशासन और पुलिस की टीम पहुंची तो पाया कि सेंट्रल बैंक में पदस्थ कर्मचारी बिना मास्क के कार्य करते पाये गये। इसी प्रकार बैंक में आने वाले ग्राहकों की भीड़ भी थी जिससे ना सोशल डिस्टेसिंग का पालन हो रहा था और कई लोग मास्क भी नहीं लगाये थे। सेंट्रल बैंक के सामने प्रायवेट फायनेंस बैंक में भी यही स्थिति थी जिसको देखते हुये जनता की सुरक्षा हेतु बैंकों को सील करने की त्वरित कार्यवाही की गई।

राजगढ़: एक अस्पताल और लैब को किया सील

राजगढ़। गुरुवार को कुरावर में वर्षों से संचालित मेडिकल क्लीनिकों पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सील किया। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्वप्रथम बस स्टैंड स्थित लक्ष्मी मेडिकल एंड एक्स-रे सेन्टर पर नॉन टेक्निकल व्यक्ति द्वारा एक्स-रे करते पाया गया जाने पर उक्त एक्स-रे सेन्टर को सील किया गया। इसके बाद भोपाल रोड सेमलखेड़ी के समीप संचालित श्री सांई हॉस्पिटल का लाइसेंस 31/03/2021 को अवधि समाप्त हो जाने पर तथा उनके द्वारा 05/04/2021 को लोक सेवा केंद्र के माध्यम से रिन्यूअल हेतु आवेदन दिया गया है साथ ही वर्तमान में कोई भी डॉक्टर उपस्थित न होने से बंद कर सील किया गया। तथा कोई मरीज उपस्थित नहीं मिला।

शिवपुरी में शौचालय की राशि के नाम एक करोड़ का फर्जी भुगतान

44 ग्राम पंचायतों के लिए जारी हुई थी राशि, जांच दल की पकड़ में आया मामला

शिवपुरी/पिछोर (एजेंसी)।

जिले की जनपद पंचायत पिछोर में शौचालय निर्माण के नाम पर 1 करोड़ 44 हजार रुपए से अधिक का फर्जी भुगतान का मामला सामने आया है। यहां जनपद के ब्लॉक समन्वयक रामनिवास राजपूत ने ही इस घोटाले को अंजाम दिया है। बताया गया है कि यहां 837 लोगों के बनने वाले शौचालय निर्माण की राशि को गलत तरीके से ब्लॉक कॉर्डिनेटर द्वारा षडयंत्रपूर्वक 44 ग्राम पंचायतों के इन शौचालय निर्माण की राशि का गबन कर लिया। प्रत्येक शौचालय के लिए 12 हजार रुपए की राशि आवंटित की गई थी लेकिन पिछोर में 837 परिवार में बनने वाले शौचालय निर्माण केवल कागजों में ही दर्शाकर बना दिए गए और धरातल पर यहां एक भी शौचालय नजर नहीं आया।

यह है पूरा मामला

इस मामले में बताया गया है कि जिले की पिछोर जनपद की 46 ग्राम पंचायतों में शौचालय विहीन परिवारों के सर्वे के बाद संबंधित ग्रामीणों के घर शौचालय बनना थे और यहां स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक समन्वयक रामनिवास राजपूत ने सितंबर 2020 से मार्च 2021 तक 1048 ग्रामीणों के यहां शौचालय बनना दर्शा दिए। बिना निर्माण के पोर्टल पर शौचालय बने प्रोत्साहन राशि जारी होने की भनक कुछ ग्रामीणों को लगी और उन्होंने अपने खाते दिखवाए तो कोई पैसा नहीं आया था। फिर सीएम हेल्पलाइन सहित जिला मुख्यालय पर अधिकारियों से लिखित शिकायत की। मामले की जांच कराई गई तो शुरुआती दौर में ही बड़ा घपला सामने आ गया।

चार सदस्यीय दल ने की जांच

पिछोर के ग्रामीणों की प्रोत्साहन राशि दूसरे ब्लॉक के रहने वाले लोगों के बैंक खातों में जारी हुई है। इसमें अकेले बदरवास ब्लॉक में ही 500 से अधिक खातों में राशि जारी हुई है। मामले की जांच के लिए जनपद पिछोर में चार सदस्यीय दल गठित किया। खंड पंचायत अधिकारी आरके टैगर,मनरेगा के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी एनके शर्मा, सहायक लेखा अधिकारी वीणा मजेजी और पीएमएवाय के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सोनपाल यादव के दल ने जांच की तो पता चला कि 1048 हितग्राहियों में से 837 बैंक खाते पिछोर क्षेत्र से बाहर के लोगों के हैं। साथ ही इंदौर, ग्वालियर और भिंड के बैंक खातों में फर्जी भुगतान करवाया गया।

इनका कहना

ब्लॉक समन्वयक रामनिवास राजपूत ने षड्यंत्र के तहत यह घपला किया है। मार्च 2021 से ही वह अनुपस्थित है। ग्रामीणों की जानकारी दर्ज करने से लेकर फोटो वेरीफाई का काम भी वही करता था। हमने पोस्ट ऑफिस से उसके घर नोटिस भिजवाए, जहां रहता था वहां नोटिस चस्पा कराए हैं। अब पुलिस थाने में भी मुकदमा दर्ज करा दिया है।

पुष्पेंद्र व्यास, सीईओ, जनपद पंचायत पिछोर

डीआरएम ने चांदनी रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

तेज रफ्तार ट्रेन के निकलने से क्षतिग्रस्त हो गई थी बिल्डिंग

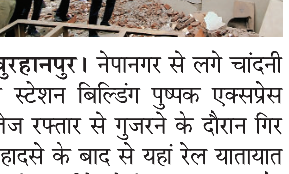

बुरहानपुर। नेपानगर से लगे चांदनी रेलवे स्टेशन बिल्डिंग पुष्पक एक्सप्रेस की तेज रफ्तार से गुजरने के दौरान गिर गई। हादसे के बाद से यहां रेल यातायात को सुरक्षित तरीके से निकाला जा रहा है। गुरुवार को भुसावल मंडल रेल प्रबंधक विवेककुमार गुप्ता रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। उन्होंने बारिकी से पूरी स्थिति को देखा। अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। बुधवार को दोपहर में चांदनी स्टेशन से पुष्पक एक्सप्रेस निकलने के दौरान घटना हुई थी। कंपन के कारण चांदनी स्टेशन का भवन गिर गया था। भवन की दीवारों का बड़ा हिस्सा टूटा है।

डीआरएम ने स्थिति का जायजा लिया और जल्द सुधार करने के निर्देश दिए। घटना में पैनल सिस्टम को नुकसान हुआ है। इस कारण सिग्नलों को बंद कर दिया है। सिग्नल मेन्युअली चलाए जा रहे हैं। बिना पैनल सुधार के सिग्नल चालू नहीं होंगे। मरम्मत में अभी समय लगने वला है। इसको देखते हुए यहां रेल कर्मचारियों की संख्या बढ़ा दी है।

खेत में सो रहे भाजपा नेता की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

खेत की निगरानी करने रुके थे रात में

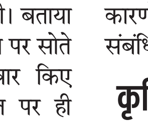

हरदा। जिले में बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात कुछ अज्ञात बदमाशों ने भाजपा नेता की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने उन पर सोते समय कुल्हाड़ी से कई वार किए जिसके चलते घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

हरदा जिले के ग्राम सोनखेड़ी के रहने वाले मृतक गोविंद सिंह भाजपा मंडल उपाध्यक्ष थे। बीजेपी नेता की इलाके में खेती बाड़ी थी और वो अपने खेत की निगरानी करने रुके थे और वहीं उनकी नींद लग गई थी। इसी दौरान बदमाशों ने उनपर कुल्हाड़ी से इतने वार किये किए उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देकर हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना का खुलासा गुरुवार की सुबह हुआ। फिलहाल हत्यारों और हत्या के कारणों का सुराग नहीं लग सका है। करताना पुलिस चौकी प्रभारी हिमलेंद्र पटेल के मुताबिकए हत्या के कारणों की जांच के लिये मृतक के संबंधियों से पूछताछ की जा रही है।

कृषि मंत्री कमल पटेल ने जताया शोक

प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने उक्त घटना पर शोक जताते हुए कहा कि भाजपा हरदा ग्रामीण मंडल उपाध्यक्ष गोविंद घटेला जी, ग्राम सोनखेड़ी पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता थे, उनका जाना पार्टी एवं मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से अपूरणीय क्षति है हमने एक और कर्मठ कार्यकर्ता हमारा आज खो दिया, ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दद्दाहु ! शांति शांति! मैंने हरदा पुलिस अधीक्षक को मामले की निष्पक्षता से जांच कर यह अमानवीय कृत्य करने वाले दोषियों को शीघ्रता से ढूंढ निकालने के सख्त निर्देश दिए हैं।

महिला ने पुलिस जवान को जड़ा थप्पड़

खंडवा। कोरोना कर्फ्यू में गुरुवार दोपहर बाइक सवार मां/बेटे को पुलिस ने चालान के लिए रोका। महिला से विवाद बढ़ गया। महिला ने पुलिस जवान को थप्पड़ जड़ दिया। यही नहीं, मारने के लिए चप्पल तक उठा ली। वहां मौजूद किसी ने इसका वीडियो बना लिया। दोनों पक्षों ने थाना कोतवाली जाकर आवेदन दिया है। घंटाघर क्षेत्र में एक महिला बेटे के साथ बाइक पर सवार होकर काम पर निकली। तभी पुलिस टीम ने महिला और उसके बेटे को रोक लिया। पुलिस जवान ने गाड़ी की चाबी निकाल ली। विवाद बढ़ा तो जवान ने महिला को कुछ अपशब्द कह दिए, जिसके बाद महिला आग बबूला हो गई। महिला ने होमगार्ड जवान को थप्पड़ मार दिए लोगों ने महिला को समझाकर शांत कराया।

मिलने लगी राहत: मध्यप्रदेश में पाए गए 1977 कोरोना संक्रमित, 70 की मौत

पहली बार मिले दो हजार से कम संक्रमित पॉजिटिविटी रेट तीन प्रतिशत से भी नीचे

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण अब काबू में आ गया है। कोरोना की दूसरी लहर में पहली बार कोरोना नियंत्रण में आया है। अब यहां पॉजिटिविटी रेट गिरकर 3 प्रतिशत से कम रह गया है। राज्य के स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार राज्य में कोरोना संक्रमण के 69,606 जांच सैंपल रिपोर्ट में 1,977 लोग कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। जबकि 67,629 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव पाये गये और 1520 कोरोना टेस्ट रिजेक्ट हुए है। आज पॉजीटिविटी रेट गुरुवार को (संक्रमण दर) घटकर 2.8 प्रतिशत दर्ज की गयी।

45 दिन बाद 40 हजार से नीचे आए एक्टिव केस, स्वस्थ्य हुए 6845 मरीज

आज 70 लोगों की मौत कोरोना संक्रमण से हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइन के मुताबिक अगर पॉजिटिविटी रेट 3प्रतिशत से कम हो तो कोरोना नियंत्रण में माना जाता है। ऐसे में, यह निश्चित ही मध्य प्रदेश के लिए बड़ी राहत की खबर है। मई के महीने में नए केस में हर दिन कमी आ रही है। ऐसे में 1 जून से प्रदेश में कर्फ्यू में ढील शुरू हो जाएगी। प्रदेश में एक्टिव केस का आंकड़ा 45 दिन बाद 40 हजार से नीचे आ गया है। प्रदेश में इंदौर और भोपाल ही ऐसे जिले हैं। जहां 100 से ज्यादा नए संक्रमित मिले हैं।

कम नहीं हो रहा मौतों का आंकड़ा

प्रदेश में संक्रमण दर भले ही कम हो रही है, लेकिन कोरोना से मरने वालों की संख्या कम नहीं हो रही है। कोरोना से अब तक 7,828 मौतें हो चुकी है। इसमें 26 मई को हुई 70 मौतें भी शामिल हैं। इसमें सबसे ज्यादा 8-8 मौतें ग्वालियर व जबलपुर में दर्ज की गई। जबकि रायसेन में 6, भोपाल व सागर में 4-4 व इंदौर में 3 मौतें होना बताया गया है। मई माह में अब तक 2170 मौतें कोरोना से हो चुकी है।

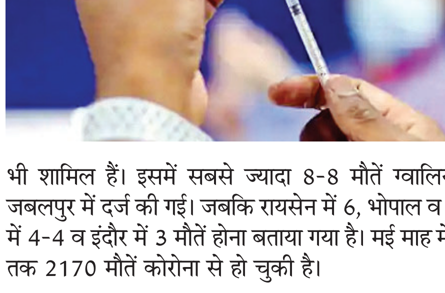

एक्टिव केस घटकर 38,327 हुए

प्रदेश में एक्टिव केस की संख्या घटकर 38,327 हो गई है। 26 मई को नए संक्रमितों से 6,845 मरीज कोरोना को मात देकर रिकवर हुए हैं। प्रदेश का रिकवरी रेट 94 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है।

20 जिलों में एक से 10 तक केस

आगर मालवा, अलीराजपुर, ब?वानी, भिंड, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, देवास, डिंडौरी, गुना, झाबुआ, हरदा, खंडवा, मंडला, नरसिंहपुर, निवाड़ी, शाजापुर, श्योपुर, उमरिया, दतिया व कटनी आदि जिलो में संक्रमण के 1 से 10 मामले ही आ रहे है।

विदिशा में संक्रमित बच्चों के लिए 50 बिस्तर का आइसीयू तैयार

विदिशा। कोरोना की संभावित तीसरी लहर में यदि बच्चे संक्रमित होते हैं तो उसकी तैयारी मेडिकल कॉलेज में कर ली गई है। जिला क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में यह जानकारी देते हुए कलेक्टर ने बताया कि थर्ड वेब में यदि बच्चे संक्रमित होते है तो उनके लिए मेडिकल कॉलेज की चौथी मंजिल पर अलग से पचास बिस्तर का आइसीयू तैयार किया गया है। इस बात के प्रयास किए जा रहे हैं कि बच्चों के वार्ड में संक्रमित बच्चे के साथ.साथ उसकी मां भी रह सकेंगी। बच्चों के इस वार्ड को बच्चों की रुचि के अनुरूप बनाने के इंतजाम हो रहे हैंए वार्डो में लगे टेलीविजन पर केवल कार्टून फिल्मों का ही प्रसारण किया जाएगा और बच्चों के लिए दीवारों पर पेंटिंग की जाएगी। वहीं मेडिकल कॉलेज के डीन डॉण् सुनील नंदीश्वर ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में ही ब्लैक फंगस के ऑपरेशन के पूरे इंतजाम किए जा रहे हैं। बैठक में जिपं अध्यक्ष तोरण सिंह, विधायक हरि सप्रे, राजश्री सिंह, एसपी विनायक वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जादौन, भाजपा नेता मुकेश टंडन, समिति सदस्य अखिलेश श्रीवास्तव आदि ने भी सुझाव रखे।

इंदौर के भूमाफिया संघवी पिता-पुत्र से थाने में घंटों पूछताछ

सुप्रीम कोर्ट से कराएंगे जमानत निरस्त : एसपी

इंदौर। अयोध्यापुरी जमीन घोटाले में आरोपी सुरेंद्र संघवी और उनके पुत्र प्रतीक को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद उनके कथन के लिए एमआईजी पुलिस ने नोटिस जारी कर थाने बुलाया था। यहां दोनों से तीन-तीन घंटे पूछताछ की गई। दोनों ही आरोपित वकीलों के साथ थाना पहुंचे और दस्तावेजों के लिए दो दिन की मोहलत मांग ली।

पुलिस के मुताबिक मे. सिम्पलेक्स के डायरेक्टर सुरेंद्र संघवी और बेटे प्रतीक पर 18 फरवरी को शिकायतकर्ता संजय सिरोलिया एवं एसडीएम अंशुल खरे की शिकायत पर अयोध्यापुरी जमीन घोटाले में दो अलग-अलग केस दर्ज हुए थे। पिछले दिनों दोनों की हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत मंजूर कर ली। आदेश में स्पष्ट लिखा कि वे जांच में पुलिस का सहयोग करेंगे। पुलिस को दस्तावेज मुहैया करवाएंगे और न गवाहों को धमका सकते न विदेश जाने की अनुमित मिलेगी। इस पर जांच अधिकारी ने नोटिस जारी कर दोनों को थाने बुलाया था। बुधवार को सुरेंद्र संघवी ने बयान दर्ज करवाए। वहीं गुरुवार दोपहर प्रतिक संघवी भी वकील के साथ थाने पहुचा और करीब तीन घंटे बयान दर्ज करवाए। टीआई के मुताबिक आरोपितों ने विवादित दस्तावेज जब्त करवाने के लिए दो दिन का समय मांगा है। एसपी आशुतोष बागरी के मुताबिक आरोपियों की जमानत निरस्त करवाई जाएगी। फरारी के दौरान इन पर इनाम घोषित कर संपत्ति कुर्की की कार्रवाई भी की थी।

ऊर्जा मंत्री के बचे पांच हजार अब नहीं भरना पड़ेगा चालान

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को अब बगैर लाइसेंस के स्कूटर ड्राइव करने का पांच हजार रुपए का जुर्माना नहीं भरना पड़ेगा। केंद्र सरकार द्वारा कोरोना काल में राज्य सरकारों को जारी की गई गाइड लाइन से राहत मिली है। यह गाइड लाइन 24 मार्च 2020 से प्रभावी है। इस गाइड लाइन कोरोना संक्रमण के दौरान लाइसेंस रिन्यूवल कराने के लिए राहत दी गई है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि भोपाल से लौटने के बाद ट्रैफिक थाने जुर्माना जमा करने के लिए जा रहा था।

इसी बीच यह आदेश मिल गया। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने भी बताया कि इस आदेश के बाद जुर्माना भरने की आवश्यकता नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर पिछले दिनों बिना हेलमेट के स्कूटर से निकले थे। तब पुलिस ने उनका बिना हेलमेट के होने पर चालान किया था। लेकिन इसी दौरान पता चला कि उनका ड्राइविंग लाइसेंस के रिन्युअल की तारीख भी निकल गई। इसलिए पुलिस ने 5 हजार का चालान किया था। हालांकि अभी ऊर्जामंत्री ने चालान की राशि जमा नहीं की थी। लेकिन जब वे चालान की राशि जमा कराने के लिए जा रहे थे। तभी उन्हें पता चला कि केन्द्र सरकार ने मार्च 2020 से ही आदेश जारी कर लाइसेंस रिन्युवल कराने से राहत दी हुई है। इसलिए अब ऊर्जामंत्री को पांच हजार रुपए चालान के जमा नहीं कराने पड़ेंगे।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बाघों की हो रही बढ़ोतरी

हाल ही में आठ शावकों के होने की हुई पुष्टि, कुल 41 के प्रमाण मिले

भोपाल, एजेंसी । मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में स्थित बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र बाघों की नर्सरी के रूप में जाना जाता है। यहां से बाघ वयस्क होने पर कम घनत्व के संरक्षित क्षेत्र में प्रदेश के अंदर और बाहर भेजे जाते हैं।

यहां हाल ही में बाघों के दो नवजात शावक सहित 3 से 6 माह के 8 शावकों के होने की पुष्टि हुई है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-प्राणी) आलोक कुमार ने बताया कि गश्ती दल द्वारा मानपुर परिक्षेत्र के बड़खेड़ा बीट की एक गुफा में दो नवजात शावक देखे गए। इसी तरह पनपथा कोर परिक्षेत्र के चन्सुरा और बिरुहली क्षेत्र में तकरीबन 3-3 माह के चार शावक होने की पुष्टि हुई है। श्री आलोक कुमार ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा एक वर्ष तक के बाघों के होने की जानकारी तैयार की गई है। इसमें विभिन्न गश्ती के दरम्यान ट्रेक कैमरा और प्रत्यक्ष रूप से देखने में 41 बाघ शावक के प्रमाण मिले हैं। कल्लवाह परिक्षेत्र में 8 से 10 माह के 4 शावक, ताला परिक्षेत्र में बाघिन टी-17 के 5, पतौर परिक्षेत्र में 8 से 10 माह के 12, धमोखर परिक्षेत्र में 6 माह के 4, पनपथा बफर परिक्षेत्र में 3 माह के 2, पनपथा कोर परिक्षेत्र में 3 माह के 2, भानपुर में नवजात 2 शावक, मगधी परिक्षेत्र में 10 से 12 माह के 5 और खितौली परिक्षेत्र में 8 से 12 माह के 4 शावक की पुष्टि परिक्षेत्र अधिकारियों ने की है। उल्लेखनीय है कि ताला परिक्षेत्र के पर्यटन जोन में बाघिन टी-17 के 4 शावक पर्यटकों को निरंतर आकर्षित कर रहे हैं।

101 करोड़ में बिकी पुराना अस्पताल, और तहसील परिसर की जमीन

बुरहानपुर। शहर के ह्दय स्थल में स्थित पुराना जिला अस्पताल और तहसील परिसर की जमीन 101.50 करोड़ रुपए में बिक गई है। खंडवा के ठेकेदार ने ये जमीन खरीदी है। अब यहां पर दो बड़े शापिंग कॉम्पलेक्स बनेंगे। इसमें कई तरह के ऑफिस, प्रतिष्ठान, मल्टीप्लेक्स रहेंगे। इस क्षेत्र की सड़के चौड़ी हो जाएगी। सबसे बड़ी बात ये है कि शहरवासियों को सबसे बड़ी पार्किंग समस्या से भी निजात मिलेगी। संभावना है कि करीब 20 हजार वाहनों को खड़ा करवाने के लिए पार्किंग बनेगी।

गुरुवार को जमीन की बिक्री की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके लिए इंदौर से संभाग आयुक्त पवन शर्मा बुरहानपुर पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर प्रवीणसिंह, व अन्य अफसरों के साथ पुराने जिला अस्पताल भवन और तहसील परिसर का निरीक्षण किया। एक-एक जगह जाकर बारीकी से जानकारी जुटाई। पूरे क्षेत्रफल की जानकारी अधिकारियों से ली।

ऐसे बदलेगी शहर की सूरत

पुराना जिला अस्पताल और तहसील परिसर शहर के बीच में स्थित है। दोनों भवनों का परिसर काफी बड़ा है। यहां पर दो भव्य निर्माण की योजना है। निजी कंपनी काम करवाएगी। शहर के बीच में जब दो भव्य निर्माण होंगे तो इस क्षेत्र की सूरत बदल जाएगी। संकरी सड़के नहीं रहेगी। काफी चौड़ी सड़कों की सौगात शहरवासियों को मिलेगी। जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट में लगाई याचिका,थाने बुलाकर बनाया बंधक और लगा दिया एनएसए

थाने के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश

जबलपुर। भोपाल पुलिस द्वारा थाने बुलाकर बंधक बनाने के बाद रेमडेसिविर की कालाबाजारी का प्रकरण दर्ज कर एनएसए की कार्यवाही किये जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। दायर याचिका में आवेदक का कहना है कि वह पुलिस के बुलाने पर एमपी नगर स्थित अपने थाने स`कोलार थाने पहुँचे थे।

जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव व जस्टिस एके श्रीवास्तव की युगलपीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा बताये गये मार्ग तथा थाने के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश पुलिस अधीक्षक को दिये हैं। याचिका पर अगली सुनवाई 14 जून को निर्धारित की गयी है। यह बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका भोपाल निवासी गुरूवचन सिंह सलूजा की ओर से दायर की गई है। जिसमें कहा गया है कि कोलार पुलिस ने मुझे तथा मेरे भाई को थाने बुलाया था। हम दोनों भाई 13 मई की दोपहर एमपी नगर स्थित दुकान से कोलार थाने पहुँचे थे। आवेदकों का आरोप है कि थाने पहुँचने के बाद पुलिस ने दोनों भाइयों को बंधक बना लिया और 14 मई की रात एक बजे रेमडेसिविर की कालाबाजारी करते हुए पकड़ने की झूठी कहानी गढ़ दी। दोनों भाई के खिलाफ 15 मई को एनएसए की कार्यवाही की दी गयी। एनएसए की पूरी कार्यवाही एक दिन में की गयी और उन्हें अपना पक्ष रखने तक का अवसर नहीं दिया गया। नियमानुसार थाना प्रभारी एनएसए की कार्यवाही के लिए पुलिस अधीक्षक को प्रतिवेदन देता है।

रेमडेसिविर की कालाबाजारी संबंधी मामले में आरोप

छग के 9,462 गांवों में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं

सरकार का दावा

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से दावा किया गया है कि प्रदेश के 9,462 गांव कोरोना मुक्त हो चुके हैं। इन गांवों में अब कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है। यानी 20,092 गांव वाले राज्य में 47: गांव कोरोना मुक्त हो चुके हैं। दरअसल पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री ने देश भर के चुनिंदा जिला कलेक्टरों से कोरोना प्रबंधन पर चर्चा की थी। तब पीएम ने जांजगीर-चांपा कलेक्टर यशवंत कुमार से पूछा था कि उनके जिले में कितने गांव हैं और कितने गांव कोरोना से मुक्त हैं। कलेक्टर इसका जवाब नहीं दे पाए थे। अब राज्य सरकार उस सवाल का जवाब निकालकर लाई है।

राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि जांजगीर-चांपा जिले में 887 गांव हैं। इनमें से 150 गांव कोरोना से मुक्त हो चुके हैं। रायपुर के 478 में से 261 गांव कोरोना संक्रमण से मुक्त हैं। सबसे बेहतर तस्वीर दुर्ग जिले से सामने आ रही है। कभी सबसे बुरी तरह प्रभावित इस जिले के 385 में से 377 गांव अब पूरी तरह कोरोना से मुक्त हो चुके हैं।

गांवों को कोरोना से ऐसे बचाया

अधिकारियों ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में कोरोना की दूसरी लहर की शुरुआत होते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गांवों में संक्रमण की रोकथाम के प्रभावी कदम उठाने को कह दिया था। इसके बाद पहली लहर के दौरान गांवों में बने क्वारैंटाइन सेंटर्स फिर एक्टिव किए गए। बाहर से यहां आने वालों के ठहराने, जांच और इलाज करने की व्यवस्था की गई।

कांग्रेस के एक लेटर ने देशभर के जिलाध्यक्षों को कर दिया परेशान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस की उल्टी चाल, शवदाह गृहों में खाने का इंतजाम! मोदी विरोध में कांग्रेस ने तो लगता है कि उल्टी चाल ही चलने की कसम खा ली है। ज्यादातर बयान बगैर सोचे समझे दे दिए जाते हैं तो अब आदेश भी उसी तर्ज पर दिए जाने लगे हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी हाल ही में एक ऐसा ही आदेश जारी किया। देश भर की प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के नाम जारी इस आदेश में कोरोना काल के दौरान जरूरतमंदों की मदद करने की हिदायत दी गई है। इसके एक प्वाइंट में अस्पतालों और शवदाह गृहों में भी भोजन बांटने को कहा गया है। दिलचस्प यह कि एआइसीसी के इसी आदेश को दिल्ली कांग्रेस ने हुबहू अपने जिलाध्यक्षों को जारी कर दिया। अब जिलाध्यक्ष परेशान हैं कि संक्रमण के इस दौर अस्पतालों में जाएं कैसे और शवदाह गृहों में खाना खिलाएं किसे! पहले से दुखी लोगों को खाना देने में भी शर्म आती है। इसे कांग्रेसियों का अपनी पार्टी के प्रति बढ़ता मोहभंग कहें या फिर आम आदमी पार्टी के प्रति उमड़ता प्रेम अब कांग्रेस में रहते हुए भी बहुत से नेता आप का गुणगान करने लगे हैं। ऐसे नेताओं की फेहरिस्त तो खैर लगातार लंबी हो ही रही है जो कांग्रेस का हाथ छोड़ आप की झाड़ू थाम रहे हैं। बहुत से नेता ऐसे भी हैं जो पार्टी छोड़े बगैर ही आप का साथ दे रहे हैं। ताजा उदाहरण सुभाष नगर ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष संजीव भराडा का है।

आप सांसद संजय सिंह ने सुभाष नगर के पार्षद सुरेंद्र सेतिया द्वारा प्रयागराज में अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियों की व्यवस्था करने पर ट्विटर के जरिये उनका आभार जताया तो कांग्रेसी ब्लाक अध्यक्ष ने आप नेताओं का यशोगान करते हुए इस ट्वीट को रीट्वीट करना शुरू कर दिया। कांग्रेसियों के बीच यह मसला खासी चर्चा का विषय बना हुआ है। खूब चुटकी भी ली जा रही है।

रांची। चक्रवाती तूफान यास डीप डिप्रेशन के रूप में झारखंड पहुंचा, कमजोर होकर आगे बढ़ा।

झारखंड पहुंचा यास तूफान भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओडिशा और बंगाल के तटीय इलाकों में कहर बरपाने के बाद यास तूफान ने आधी रात के बाद झारखंड में प्रवेश किया है। अगले 3 घंटे में यहां पर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस तूफान का असर बिहार, यूपी सहित कई राज्यों में देखने को मिल रहा है। तूफान ने ओडिशा-बंगाल के सीमवर्ती इलाकों में जमकर तबाही मचाई। मौसम विभाग के मुताबिक, आज भी कोलकाता, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों के कुछ हिस्सों में बिजली और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के कई इलाको में आज बारिश हो सकती है। यहां पर स्थित बरेली में टॉक्टे के बाद यास तूफान का असर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने तीन दिन बारिश का पुवार्नुमान जताया है। कुछ स्थानों पर 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से धूल भरी आंधी भी चल सकती है। उधर, बिहार के भागलपुर और आसपास के क्षेत्रों में आज से तीन दिनों तक तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हो सकती है। यहां पर बुधवार सुबह से ही आसमान में काले बादलों का जमघट लगा रहा। स्काईमेट वेदर के मुताबिक, यास तूफान के साथ-साथ पश्चिमी विक्षोभ अभी जम्मू-कश्मीर और आसपास के इलाकों में बना हुआ है। इसके साथ ही एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र मध्य पाकिस्तान और इससे सटे पश्चिमी राजस्थान के निचले स्तरों पर स्थिर है, जिसके चलते उत्तर पूर्व भारत, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

भारत में जल्द लग सकता है 12 साल से उपर वालों को टीका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज दवा निमार्ता कंपनी फाइजर ने भारत में उसकी कोरोना वैक्सीन को जल्द मंजूरी की मांग करते हुए कहा है कि उसका टीका काफी असरदार है और यह 12 वर्ष से अधिक आयु के बच्चो को भी लगाया जा सकता है। फाइजर ने कहा है कि भारत में फैले एसएआरएस-सीओवी-2 वेरियंट के खिलाफ और भारतीय लोगों पर उसका टीका काफी प्रभावी दिखा है। इस टीके को एक माह के लिए दो से आठ डिग्री तापमान में रखा जा सकता है।

फाइजर जुलाई से अक्टूबर 2021 के बीच भारत को अपनी वैक्सीन की पांच करोड़ डोज देने के लिए तैयार है। लेकिन उसके लिए उसने नुकसान होने पर हजार्ना समेत कुछ अन्य छूट मांगी है। फाइजर ने भारतीय अधिकारियों के साथ हाल ही में एक बैठक के दौरान विभिन्न देशों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा उसके टीके के प्रभाव के परीक्षणों और अनुमोदन के संबंध में ताजा आंकड़े भी प्रस्तुत किए। भारत के साथ बातचीत में शामिल फाइजर के एक उच्च सूत्र ने कहा, भारत और विश्व में वर्तमान स्थिति सामान्य नहीं है। ऐसे में हमें इस स्थिति के दौरान किए जाने वाले काम को आमतौर पर अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की तरह नहीं लेना चाहिए। फाइजर ने कहा है कि भारत सरकार को 44 देशों समेत डब्ल्यूएचओ से मिले अनुमोदन पर भरोसा करना चाहिए। उसने कहा कि सरकार को वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग की मंजूरी देनी चाहिए और अनुमोदन के बाद की प्रतिबद्धता अध्ययन की मांग नहीं करनी चाहिए।

छुट्टी मंजूर नहीं हुई तो ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए ड्यूटी पर पहुंच गया बैंककर्मी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण से रिकवर कर रहे एक शख्स की छुट्टी मंजूर नहीं हुई तो वह ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए ड्यूटी पर पहुंच गया। मामला बोकारो के एक बैंक का है। यह शख्स अपनी पत्नी और बेटे के साथ ड्यूटी पर पहुंचा था। बेटा उसके साथ-साथ ऑक्सीजन सिलेंडर पकड़े चल रहा था। कर्मचारी के परिवार ने मंगलवार को इस पूरी घटना का वीडियो बनाया और इसकी एक क्लिप ऑनलाइन पोस्ट कर दी। इसके बाद यह वीडियो जमकर वायरल होने लगा। मिली जानकारी के अनुसार एक बैंक में काम करने वाले इस शख्स को उसके अधिकारियों ने चिकित्सीय अवकाश देने से मना कर दिया था। यह शख्स अभी कोविड से पूरी तरह ठीक नहीं हुआ था लेकिन उसे ड्यूटी ज्वाइन करने का हुक्म दिया गया। जबकि अपनी लीव एप्लीकेशन में इस शख्स ने बताया था कि वह अभी पूरी तरह संक्रमण से उबर नहीं सका है। संक्रमण उसके फेफड़ों में फैल चुका है। उसे लगातार ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ रही है क्योंकि उसका ब्लॅड ऑक्सीजन लेवल लगातार निचले स्तर पर है। परिवार के एक सदस्य ने कहा कि बैंक अधिकारियों ने उनकी छुट्टी मंजूर नहीं की तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया लेकिन इसे भी स्वीकार नहीं किया गया। अब वे वेतन काटने की धमकी दे रहे हैं जिसकी वजह से उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट पर काम पर आने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद श्री कुमार से घर वापस जाने के लिए कहा गया। इस प्रकरण के बाद से बैंक अधिकारी इस बारे में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। पूरी दुनिया में जाहिरा तौर पर ठीक होने के बाद भी कोविड-19 मरीजों को लंबे समय तक कुछ लक्षणों से जूझना पड़ रहा है। चिकित्सा विज्ञान में इसे लांग कोविड के रूप में जाना जा रहा है। एक सर्वे के मुताबिक यूके के 14 प्रतिशत कोविड मरीजों में लम्बे समय तक लक्षण बने रह रहे हैं। उन्हें ठीक होने में कम से कम 12 सप्ताह का समय लग रहा है।

कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या और गिरकर 24,95,591 हुई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में अब लगातार 10वें दिन कोविड-19 के नये मामलों की संख्या तीन लाख से कम दर्ज की गयी। भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या गिरकर अब 24,95,591 हो गयी। 10 मई 2021 को अपने आखिरी चरम पर पहुंचने के बाद से सक्रिय मामलों की संख्या में कमी आयी है। पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों की संख्या में कुल 91,191 की कमी आयी है। यह देश के कुल कोविड पॉजिटिव मामलों का 9.19 प्रतिशत है। साथ ही भारत में बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की दैनिक संख्या कोविड-19 के दैनिक नए मामलों से लगातार 13वें दिन ज्यादा हैं। पिछले 24 घंटे में बीमारी से 2,95,955 लोग स्वस्थ हुए हैं। पिछले 24 घंटे में दैनिक नये मामलों की तुलना में बीमारी से 87,034 ज्यादा लोग स्वस्थ हुए हैं।

भारत में आज बीमारी से कुल 2,95,955 लोगों के स्वस्थ होने के साथ अब तक कुल 2,43,50,816 लोगों में कोविड-19 ठीक हुआ है। बीमारी से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर भी बेहतर होकर 89.66 प्रतिशत हो गयी है। दूसरी तरफ भारत में पिछले 24 घंटे में अब तक सर्वाधिक 22,17,320 जांच हुई जिसके साथ अब तक हुए जांच की कुल संख्या 33,48,11,496 है। साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट इस समय 11.45 प्रतिशत है जबकि दैनिक पॉजिटिविटी रेट घटकर आज 9.42 प्रतिशत हो गया। यह लगातार दो दिनों से 10 प्रतिशत से कम बना हुआ है। भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण के तहत आज देश में कोविड-19 के टीके की दी जा चुकी खुराक की संख्या 20 करोड़ के पार चली गयी जिसके साथ देश ने अपने टीकाकरण अभियान में एक नया मुकाम हासिल किया।

अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह सात बजे तक 28,70,378 सत्रों में कोविड-19 के टीके की कुल 20,06,62,456 खुराक दी जा चुकी हैं। इनमें वे 97,96,058 स्वास्थ्य सेवा कर्मी (एचसीडब्ल्यू) शामिल हैं, जिन्होंने वैक्सीन की पहली खुराक ली है और 67,29,213 ऐसे एचसीडब्ल्यू भी शामिल हैं, जिन्होंने वैक्सीन की दूसरी खुराक ले ली है। इसके अलावा पहली खुराक लेने वाले 1,51,71,950 अग्रिम पंक्ति के कर्मी (एफएलडब्ल्यू), दूसरी खुराक लेने 83,84,001 एफएलडब्ल्यू, और 18 से 44 साल के आयु समूह में पहली खुराक लेने वाले 1,29,57,009 लोग शामिल हैं। इसके साथ-साथ 45 से 60 वर्ष की आयु के पहली खुराक लेने वाले 6,20,88,772 और दूसरी खुराक लेने वाले 1,00,30,729 लाभार्थियों के साथ-साथ 5,71,35,804 पहली खुराक लेने वाले और 1,83,68,920 दूसरी खुराक लेने वाले 60 वर्ष की आयु से ज्यादा के लाभार्थी भी शामिल हैं।

बिहार भाजपा अध्यक्ष ने एलोपैथ चिकित्सा पद्धति वाली टिप्पणी को लेकर रामदेव की खिंचाई की

पटना, (एजेंसी)। बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉक्टर संजय जायसवाल ने एलोपैथ चिकित्सा पद्धति पर टिप्पणी को लेकर बाबा रामदेव की खिंचाई की। चुटकी लेते हुए उन्हें योगी नहीं, योग का कोका कोला बताया। जायसवाल ने एलोपैथ चिकित्सा पद्धति पर टिप्पणी को लेकर आईएमए और बाबा रामदेव के बीच चल रही तनातनी के संबंध में फेसबुक पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में जायसवाल ने कहा विगत कुछ दिनों से एक अजीब प्रतियोगिता देख रहा हूं। हर बेतुकी बात का जवाब देना कोई आवश्यक नहीं होता है। ज्यादा बोल कर आप किसी को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगते हैं। अभी आईएमए भी ऐसा ही कर रहा है।

जायसवाल ने कहा, बाबा रामदेव एक अच्छे योग गुरु जरुर हैं पर योगी नहीं हैं। योग के प्रति उनके ज्ञान पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। लेकिन योगी उसको कहते हैं जो अपने मस्तिष्क सहित सभी इंद्रियों पर काबू पा ले। योग जीवन में बहुत आवश्यक है क्योंकि यह आपको निरोग रखता है पर योग चिकित्सा पद्धति नहीं है। हजारों वर्षों से हमारे यहां इलाज के लिए चरक संहिता और सुश्रुत की शल्य क्रिया ही चलती थी, कोई योग गुरु नहीं चलते थे। उन्होंने बाबा रामदेव पर चुटकी लेते हुए कहा बाबा रामदेव जी को मैं मजाक में योग का कोका कोला बोलता हूं। हमारे यहां ठंडे पेय के रूप में सदियों से शिकंजी और ठंडई का इस्तेमाल होता रहा है। पर अब हर घर में कोको कोला और पेप्सी ने जगह बना ली है। उसी प्रकार भारतवर्ष में हजारों अति विशिष्ट योग साधक रहे हैं जिन्होंने भारतीय संस्कृति एवं जीवन प्रणाली में मूलभूत परिवर्तन किए हैं पर योग को घर-घर पहुंचाने मे बाबा रामदेव के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मैं अपने आईएमए के सभी मित्रों से अपील करता हूं कि कृपया हम निरर्थक बातों में प्रतियोगिता कर अपने वर्षों की साधना को बर्बाद नहीं करें। उन सभी मेडिकल चिकित्सकों जिन्होंने इस करोना काल में जान गंवाई है उनको यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

देश में ऑक्सीजन एक्सप्रेस से 17,945 एमटी से अधिक एलएमओ पहुंचाई गई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रेलवे सभी बाधाओं को पार करते हुए तथा नए समाधान निकाल कर देश के विभिन्न राज्यों में तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाना जारी रखे हुए है। भारतीय रेलवे द्वारा अभी तक देश के विभिन्न राज्यों में 1080 से अधिक टैंकरों में 17,945 मीट्रिक टन तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाई गई है। लगभग 272 ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियों ने अब तक अपनी यात्राएं पूरी कर ली हैं और विभिन्न राज्यों को सहायता पहुंचाई है। सहायता पहुंचाने का काम कल देर तक जारी रहा और 969 एमटी तरल मेडिकल ऑक्सीजन के साथ 12 ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियां पूर्वी राज्यों से खराब मौसम और चक्रवात का सामना करती हुई चलीं। इन 12 ऑक्सीजन एक्सप्रेस में तमिलनाडु के लिए 3 ट्रेनें, आंध्र प्रदेश के लिए 4 और दिल्ली क्षेत्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम और केरल के लिए 1-1 ट्रेन शामिल हैं। दक्षिणी राज्यों में तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना प्रत्येक में एलएमओ की डिलीवरी 1000 एमटी को पार गई। झारखंड ने पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस की अगवानी की और यह रेल से ऑक्सीजन प्राप्त करने वाला देश का 15वां राज्य बन गया। भारतीय रेलवे का यह प्रयास रहा है कि ऑक्सीजन का अनुरोध करने वाले राज्यों को कम से कम संभव समय में अधिक से अधिक संभव ऑक्सीजन पहुंचाई जा सके। ऑक्सीजन एक्सप्रेस द्वारा 15 राज्यों- उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड और असम को ऑक्सीजन सहायता पहुंचाई गई है। अब तक महाराष्ट्र में 614 एमटी ऑक्सीजन, उत्तर प्रदेश में लगभग 3731, मध्य प्रदेश में 633 एमटी, दिल्ली में 4910 एमटी, हरियाणा में 1911 एमटी, राजस्थान में 98 एमटी, कर्नाटक में 1653 एमटी , उत्तराखंड में 320 एमटी, तमिलनाडु में 1158 एमटी, आंध्र प्रदेश में 929 एमटी, पंजाब में 225 एमटी, केरल में 246 एमटी, तेलंगाना में 1312 एमटी, झारखंड में 38 एमटी और असम में 160 एमटी ऑक्सीजन पहुंचाई गई है। रेलवे ने ऑक्सीजन सप्लाई स्थानों के साथ विभिन्न मार्गों की मैपिंग की है और राज्यों की बढ़ती हुई आवश्यकता के अनुसार अपने को तैयार कर खा है। भारतीय रेलवे को एलएमओ लाने के लिए टैंकर राज्य प्रदान करते हैं।

व्हाइट फंगस के कारण महिला की आंत में छेद, दुनिया का पहला ऐसा मामला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संकट के बीच देश में ब्लैक और व्हाइट फंगस के मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली में व्हाइट फंगस का एक मामला सामने आया है,इसमें फंगस के कारण महिला की आंतों में छेद हो गया। व्हाइट फंगस के कारण शरीर को पहुंचे इस तरह के नुकसान का ये दुनिया में पहला केस है।अस्पताल के मुताबिक, 49 साल की महिला 13 मई 2021 को अस्पताल के इमरजेंसी में लाई गई थीं। तब उसके पेट में असहनीय दर्द था एवं उल्टियों के साथ वह कब्ज से पीड़ित थी। महिला कैंसर से पीड़ित थी और कुछ वक्त पहले ही उसकी कीमोथेरेपी भी हुई थी।जब अस्पताल में उसका सीटी स्कैन किया गया,तब आंतों में छेद होने का पता लग पाया। अस्पताल में चार घंटे चली सर्जरी के बाद महिला की फूड पाइप, छोटी आंत एवं बड़ी आंत में हुए छेदों को बंद कर दिया एवं द्रव्य लीक को रोक दिया।

अस्पताल के मुताबिक, आंत से निकाले गए टुकड़ों की बायोप्सी से पता चला कि आंतों में व्हाइट फंगस है,इसने आंतों के अंदर खतरनाक फोड़ेनुमा घाव कर दिए थे जिसकी वजह से खाने की पाइप से लेकर छोटी आंत एवं बड़ी आंत में छेद हो गए थे।

स्टेरॉयइड के इस्तेमाल के बाद ब्लैक फंगस के द्वारा आंत में छेद होने के कुछ मामले हाल ही में सामने आए हैं। लेकिन व्हाइट फंगस द्वारा कोविड-19 इन्फेक्शन के बाद खाने की नली, छोटी आंत एवं बड़ी आंत में छेद करने का मामला यह विश्वभर में पहला है।इतना ही नहीं, जांच में पता चला कि मरीज की कोविड-19 एंटीबॉडी लेवल भी बढ़े हुए थे।खून की जांच करने पर शरीर के अंदर व्हाइट फंगस बढ़ा हुआ मिला।अभी इस वक्त मरीज सर्जरी के बाद ठीक है और कुछ दिनों के बाद उसकी अस्पताल से छुट्टी कर दी जाएगी।

एनटीपीसी बंगाईगांव में कोविड केयर सेंटर शुरू

नई दिल्ली। बिजली मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की एक महारत्न कंपनी एनटीपीसी कोविड से लगातार जंग कर रही है। प्रोफेशनलों की एक समर्पित टीम इस महामारी के फैलाव को रोकने के लिये कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ रही है। कोविड के खिलाफ प्रयासों को जारी रखते हुये एनटीपीसी बंगाईगांव मेडिकल प्रकोष्ठ ने अपोलो टेलीहेल्थ सर्विसेज के सहयोग से आज से एनटीपीसी बंगाईगांव कोविड केयर सेंटर शुरू कर दिया है। सेंटर का उद्घाटन कल 25 मई, 2021 को सीजीएम श्री सुब्रत मंडल ने किया। उन्होंने सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं का भी अवलोकन किया। दूर-दराज के कोविड मामलों के प्रबंधन के लिये इस सेंटर में शानदार प्रौद्योगिकी उपलब्ध है। कोविड केयर सेंटर में 10 कोविड बेड मौजूद हैं। हर बेड पर शरीर के तापमान, एसपीओ-2, दिल की धड़कन, रक्तचाप और रेसपिरेट्री रेट की मॉनीटरिंग करने के लिये उपकरण लगाये गये हैं। सेंटर में एक ई-आईसीयू है, जो इनवेसिव वेंटीलेटर, मल्टीचैनल बेडसाइड मॉनीटर, वेबकैम और एलईडी टेलीविजन से लैस है, जो अपोलो अस्पताल, चेन्नै से जुड़ा है, ताकि वास्तविक समय में गंभीर रूप से बीमार मरीजों की निगरानी हो सके। इसके अलावा 2 बाईपैप मशीनें हैं, जो नॉन-इनवेसिव वेंटीलेटर के लिये हैं। साथ में सात ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और ऑक्सीजन सिलेंडर भी हैं, ताकि ऑक्सीजन की जरूरत पड़ने पर इनका उपयोग किया जा सके। डी-डाइमर, ट्रोपोनिन, सीआरपी, एबीजी और ईसीजी की जांच व विश्लेषण करने की सुविधा, हर जगह आसानी से पहुंचने वाली दो ट्रॉलियां भी हैं, जिन पर पल्स ऑक्सीमीटरस आईआर थमार्मीटर आदि जैसे उपकरण रखे जाते हैं। इस तरह सेंटर हर किस्म की आपदा का सामना करने में सक्षम है।

टोल प्लाजा पर प्रति वाहन 10 सेकंड से ज्यादा नहीं रुकने चाहिए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टोल प्लाजा पर वाहनों के सुगम और तेज आवाजाही को सुनिश्चित करने के क्रम में, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दिशानिर्देश जारी किए हैं, ताकि राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने टोल प्लाजा पर सबसे व्यस्त समय (पीक आवर्स) के दौरान सर्विस टाइम प्रति वाहन 10 सेकंड से अधिक नहीं हो। नए दिशा-निर्देश टोल प्लाजा पर वाहनों को 100 मीटर से ज्यादा लंबी कतार में लगने से रोककर यातायात की निर्बाध आवाजाही को सुनिश्चित करेंगे। हालांकि, 100 फीसदी फास्टैग अनिवार्य होने के बाद अधिकांश टोल प्लाजा पर कोई वेटिंग टाइम नहीं है, फिर भी अगर किसी वजह से इंतजार करने वाले वाहनों की लाइन 100 मीटर से ज्यादा होती है तो वाहनों को बगैर टोल का भुगतान किए गुजरने की छूट दी जाएगी, जब तक वाहनों की लाइन टोल बूथ से 100 मीटर के दायरे में नहीं आ जाती है। इसके लिए प्रत्येक टोल लेन में टोल बूथ से 100 मीटर की दूरी पर एक पीली लाइन खींची जाएगी। यह टोल प्लाजा ऑपरेटर्स में जवाबदेही की भावना को और अधिक मजबूत करने के लिए है। एनएचएआई ने मध्य फरवरी 2021 से शत-प्रतिशत कैशलेस टोलिंग को सफलतापूर्वक लागू कर लिया है, इसलिए एनएचएआई टोल प्लाजा पर फास्टैग का इस्तेमाल 96% तक पहुंच गया है और कई टोल प्लाजा पर यह 99% तक है। देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (ईटीसी) के विस्तार को ध्यान में रखते हुए, अगले 10 वर्षों के लिए यातायात संबंधी अनुमानों के अनुरूप आने वाले टोल प्लाजा पर एक नये डिजाइन और ढांचा बनाने पर जोर दिया गया है, ताकि प्रभावी टोल प्लाजा कलेक्शन सिस्टम लाया जा सके। जैसा कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अब सामान्य नियम बन गया है, ज्यादा से ज्यादा यात्री फास्टैग के इस्तेमाल का विकल्प चुन रहे हैं, इसलिए यह ड्राइवर और टोल ऑपरेटर्स के बीच किसी भी सीधे संपर्क की संभावना को दूर करता है। हाईवे यूजर्स द्वारा फास्टैग को उपयोग करने में लगातार बढ़ोतरी होना और उसे स्वीकार किया जाना उत्साहजनक है और इससे टोल संचालन में अधिक कुशलता लाने में मदद मिली है।

रांची। पं. नेहरू को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष समेत अन्य नेताओं ने दी श्रद्धांजलि।

तापसी पन्नू

कोरोना वॉरियर्स के समर्थन में फिर आईं आगे, नाम लिए बिना बाबा रामदेव पर कसा तंज

पिछले साल कोरोना संक्रमण की शुरुआत से ही योग गुरु बाबा रामदेव (Baba Ramdev) अपनी दवाओं और योग के बल पर ही लोगों को स्वस्थ बनाने का दावा करते आ रहे हैं. यहां तक तो ठीक था लेकिन जैसे ही रामदेव ने ऐलोपैथ को 'मूर्खतापूर्ण विज्ञान' बताया तो हर तरफ उनकी खिंचाई होने लगी. कोरोना के खिलाफ जंग लड़ रहे डॉक्टरों में इस बयान से बड़ी निराशा हुई. ऐसे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने भी रामदेव को पत्र लिखकर अपना बयान वापस लेने की बात कही. बयान तो रामदेव ने वापस ले लिया लेकिन लोगों के निशाने पर आ गए. बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू (Taapsee Pannu) का ट्वीट भी कुछ इसी तरफ इशारा कर रहा है.

तापसी पन्नू ने बिना बाबा रामदेव का नाम लिए लोगों को पिछले साल की याद दिलाई. तापसी ने ट्वीट किया 'लगभग एक साल पहले हम सब ने अपनी बालकनी में खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाई, लगभग एक साल पहले उन लोगों के लिए आसमान रंगीन हो गया था. कोई भी राजा अपने योद्धाओं के बिना पॉवरलेस है'. इसके साथ ही ताली बजाते हुए इमोजी और कोरोना वॉरियर्स को हैशटैग किया है. तापसी ने हालांकि कहीं रामदेव का नाम नहीं लिया है लेकिन तंज उन्हीं के बयान की तरफ है. इसके साथ ही तापसी ने यह भी बताने की कोशिश की है कि इस समय देश कोविड-19 से जंग लड़ रहा है. इस समय डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ ही योद्धा हैं और उनके बिना यह जंग नहीं जीती जा सकती.

बता दें कि डॉक्टर हर्षवर्धन ने भी रामदेव को लिखा था 'आपका बयान कोरोना योद्धाओं का अनादर और देश की भावना को आहत करने वाला है. आपका बयान स्वास्थ्यकर्मियों का मनोबल तोड़ कोविड-19 के खिलाफ चल रही जंग को कमजोर कर सकता है'. हालांकि रामदेव अपने इस बयान को वापस ले चुके हैं लेकिन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन को सोशल मीडिया पर एक चिट्ठी जारी कर कहा है कि अगर एलोपैथी सर्वगुण संपन्न है तो इसके डॉक्टरों को बीमार नहीं पड़ना चाहिए. इस लेटर में 25 सवाल हैं.

इसके अलावा रामदेव ने अपने एक योग कार्यक्रम के दौरान कह दिया था कि एक हजार डॉक्टर कोरोना की डबल वैक्सीन लगाने के बाद भी खुद को नहीं बचा पाए, कैसी डॉक्टरी हैं ये?

Exclusive: जातिगत टिप्पणी कर कानूनी पचड़े में फंसी एक्ट्रेस युविका चौधरी, दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज

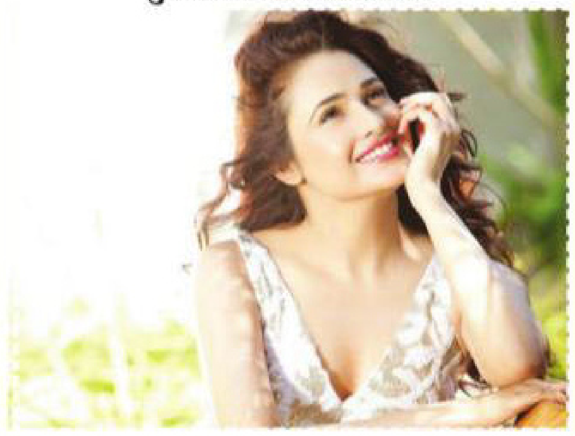

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में जातिगत अपमानजनक टिप्पणी करने पर बॉलीवुड एक्ट्रेस युविका चौधरी (Yuvika Choudhary) अब कानूनी पचड़े में घिर गई हैं. वीडियो में एक जाति विशेष का नाम लेने को लेकर उनके खिलाफ दिल्ली के राजौरी गार्डन थाने में कांग्रेस नेत्री की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें एक?ट्रेस के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की गई है.

कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग की राष्ट्रीय संयोजक रितु चौधरी ने मंगलवार को यह शिकायत दर्ज कराई. उन्होंने शिकायत में कहा है कि अभिनेत्री युविका चौधरी ने बॉलीवुड की ओम शांति ओम, समर 2007 और तो बात पक्की जैसी मशहूर फिल्मों में काम किया है और वह गैर अनुसूचित जाति समुदाय से हैं.

एक्ट्रेस युविका का सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो, जिसमें वह अनुसूचित जाति की एक उपजाति, जिसे कई राज्यों में अनुसूचित जाति घोषित किया गया है, उसका संदर्भ देकर गाली तथा अपमानजनक शब्द के रूप में प्रयोग कर रही हैं और ऐसा कर उन्होंने पूरे दलित समाज का अपमान किया है.शिकायत में कहा गया है कि एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम और Twitter पर लाखों फॉलोवर हैं और इस वीडियो को लाखों लोगों ने देखा. इसके चलते पूरी दुनिया के सामने दलित समाज की बेइज्जती हुई तथा अनुसूचित जाति एवं गैर अनुसूचित जाति के बीच बैर बढ़ाने तथा दुश्मनी पैदा करने का काम किया गया है. इससे दोनों समुदायों में लड़ाई-झगड़े और दंगे-फसाद हो सकते हैं. लिहाजा, युविका चौधरी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया जाए.

बता दें कि युविका चौधरी के इस वीडियो के सामने आने के बाद उन्हें Twitter पर काफी फजीहत झेलनी पड़ी है. ट्वटिर पर लोग उन्हें गरिफ्तार करने की मांग भी उठा रहे हैं, जिसके लिए बाकायदा #ArrestYuvikaChoudhary भी टॉप ट्रेंड हुआ.

दरअसल, इस वायरल वीडयिो में युविका चौधरी हाथ में मोबाइल लिए अपने पति प्रसि नरूला का वीडियो बना रही हैं और अपने अच्छे न दखिने पर बात कर रही हैं. वीडियो में युविका चौधरी कहती हैं, हमेशा ब्लॉग जब भी मैं बनाती हूं, क्यों भं... की तरह मैं आकर खड़ी हो जाती हूं. मुझे इतना टाइम मलिता ही नहीं कि मैं अपने आप को ढंग से दखिा सकूं. और ये (प्रसि नरूला) मुझे तैयार होने का टाइम भी नहीं देते.हालांकि बाद में युविका ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी और कहा कि वह इस शब्द का अर्थ नहीं जानत' थीं. उन्होंने कहा कि वह कभी किसी की भावनाओं को चोट नहीं पहुंचाएंगी.

करीना कपूर ने फैमिली फोटो के साथ कुणाल खेमू को विश किया बर्थडे, किया खास वादा

बॉलीवुड एक्टर और पटौदी खानदान के दामाद कुणाल खेमू (Kunal Khemu) आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं. ऐसे में हर तरफ से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं. कई सेलेब्स ने भी कुणाल खेमू को उनके खास दिन पर विश किया है. यूं तो कुणाल को आज कई लोग उनके जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं, लेकिन उनके बर्थडे पर करीना कपूर खान (Kareena Kapoor Khan) ने सबसे अलग अंदाज में बधाई दी है. करीना कपूर खान ने कुणाल खेमू संग वेकेशन की एक पुरानी फोटो शेयर की है, जिसके साथ उन्होंने अपने ब्रदर-इन-लॉ कुणाल खेमू को बर्थडे विश किया है.

करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी, सैफ अली खान ननद सोहा अली खान और उनके पति कुणाल के साथ बच्चों समेत एक पुरानी फैमिली फोटो शेयर की है. फोटो में ये सभी पूल में चिल करते नजर आ रहे हैं. इस फैमिली फोटो में जहां तैमूर अब्बा सैफ अली खान की गोद में नजर आ रहे हैं तो वहीं इनाया पापा कुणाल खेमू की गोद में एंजॉय कर रही हैं. करीना की शेयर की ये फैमिली फोटो इनके फैंस को खूब पसंद आ रही है.

करीना ने ये तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, हैप्पी बर्थडे ब्रदर-इन-लॉ... मैं वादा करती हूं कि जल्द ही इस फोटो को हम रिक्रिएट करेंगे.. इसके साथ ही उन्होंने एक रेड हार्ट इमोजी भी पोस्ट किया है. करीना की शेयर की इस फोटो पर उनकी ननद सबा अली खान और कुणाल खेमू ने भी कमेंट किया है. सबा अली खान ने लिखा-इंशाअल्लाह वहीं कुणाल खेमू ने लिखा-हाहाहा... हां हां हमें करना है. बता दें, कुणाल खेमू का जन्म 25 मई 1983 को श्रीनगर में हुआ था. एक्टर को जितना आज पसंद किया जाता है, उतने ही वे बतौर बाल कलाकार भी मशहूर थे. कुणाल ने बतौर बाल कलाकार अपने करियर की शुरुआत की थी. कुणाल ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 1980 में टीवी सीरियल गुल गुलशन गुल्फाम से की थी.

Super Dancer 4

शिल्पा शेट्टी

की धमाकेदार वापसी, सुनील शेट्टी के संग दिखेगा जबरदस्त परफॉर्मेंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी (Shilpa Shetty) लंबे समय से रियलिटी शो 'सुपर डांसर 4' (Super Dancer y) की जज की भूमिका निभा रही हैं. उनका बेहद फेमस डायलॉग 'सुपर से भी ऊपर' एक बार फिर दर्शकों को सुनने को मिलने वाला है. शिल्पा इस शो पर वापसी कर रही हैं. कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद एक्ट्रेस ने थोड़े समय के लिए ब्रेक ले लिया था. शिल्पा के कोविड पॉजिटिव होने के बाद मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) उनकी जगह जज का रोल प्ले कर रही थीं.

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर सुनील शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज और वीडियो शेयर किया है. इस फोटोज और वीडियो से बता दिया है कि इस हफ्ते वह बरसों पहले वाले पुराने अंदाज में शिल्पा शेट्टी के साथ रोमांस करते नजर आने वाले हैं. एक फोटो शेयर कर 'सुपर डांसर 4' (Super Dancer y) के अगले हफ्ते के शेड्यूल की जानकारी शेयर की है.

इसके अलावा एक वीडियो में शिल्पा शेट्टी और सुनील शेट्टी फिल्म 'धड़कन' के फेमस गाने 'तुम दिल की धड़कन..' गाने पर दोनों जबरदस्त परफॉर्मेंस देते नजर आने वाले हैं. इस वीकएंड पर सुनील की फिल्मों के गाने पर कंटेस्टेंट डांस करते नजर आएंगे.बता दें कि 90 के दशक में शिल्पा शेट्टी और सुनील शेट्टी ने कई हिट फिल्में बॉलीवुड को दी. इनकी जोड़ी बेहद पसंद की जाती थी.

बीते 7 मई को शिल्पा ने एक पोस्ट शेयर कर अपनी फैमिली के कोरोना पॉटिजिव होने और आइसोलेशन के दर्द को शेयर किया था. वहीं हाल ही में कोविड-19 (COVID-19) संक्रमण से परेशान लोगों के लिए परेशानी पर सुनील शेट्टी ने अपना गुस्सा जाहिर किया था. सुनील ने कहा था कि नेताओं ने अपना काम ठीक से किया होता तो आज लोगों को इलाज के लिए दर-दर की ठोकरें नहीं खानी पड़ती.

इटली में जापान और चीन के बीच वॉलीबाल मैच खेलते हुए खिलाड़ी।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे पंघाल

दुबई, (एजेंसी)। भार के अमित पंघाल ने एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। अमित ने 52 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में हुए एक कड़े मुकाबले में मंगोलिया के खारखू एनखमांडाखी को 3-2 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इसी के साथ ही भारत का इस टूनार्मेंट में अब 13 पदक जीतना तय हो गया है। पंघाल ने मंगोलियाई मुक्केबाज के खिलाफ धीमी शुरूआत से उबरते हुए आखिरी दो दौर में कुछ शानदार पंच लगाये और मैच में अपना दबदबा बना लिया। शुरूआती तीन मिनट में पिछड़ने के बाद पंघाल दूसरे दौर में अपने ही अंदाज में नजर आये। उन्होंने इसके बाद अपनी रणनीति में बदलाव लाकर प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज के हमलों को नाकाम कर दिया। मंगोलियाई मुक्केबाज ने पंघाल पर कुछ अच्छे प्रहार किये पर भारतीय मुक्केबाज ने अपने जवाबी आक्रमण से उसे हैरान कर दिया।

पैट कमिंस अपनी टेस्ट प्लेइंग इलेवन के मिडिल ऑर्डर में रखना चाहते हैं ये तीन खिलाड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने अपनी बेस्ट टेस्ट प्लेइंग इलेवन में केन विलियमसन, स्टीव स्मिथ और विराट कोहली को चुना है। ये तीनों ही बल्लेबाज वर्ल्ड टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे हैं। विलियमसन फिलहाल टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 पोजिशन पर हैं। पैट कमिंस ने विलियमसन को वनडे क्रिकेट में दो बार आउट किया है। इस तेज गेंदबाज ने विराट का विकेट सात बार झटका है। विराट कोहली फिलहाल रैंकिंग में 814 रेटिंग प्वॉइंट के साथ पांचवे स्थान पर चल रहे हैं। पैट कमिंस ने कहा, मेरी टेस्ट प्लेइंग इलेवन में शायद केन विलियमसन नंबर 3 पर, स्टीव स्मिथ नंबर 4 पर होंगे, शायद कोहली नंबर 5 पर होंगे। किसी भी क्रम में, लेकिन मेरे पास वे तीन होंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 18 जून को साउथेम्प्टन के रोज बाउल में शुरू होने वाला है। कमिंस ने माना कि परिस्थितियां विराट कोहली एंड कंपनी से ज्यादा न्यूजीलैंड के पक्ष में होंगी।

उन्होंने कहा, हमने देखा है कि दोनों टीमों ने कुछ महीनों से टेस्ट मैच नहीं खेले हैं। ऐसे में यह बराबरी का मुकाबला होगा। कुछ भी हो सकता है। अगर मुझे कुछ कहना हुआ तो मैं यह कहूंगा कि परिस्थितियां भारत के मुकाबले न्यूजीलैंड की टीम को ज्यादा पसंद आएंगी। अपने करियर में अबतक 34 टेस्ट टेस्ट मैच खेलने वाले कमिंस ने कहा कि उन्होंने बाबर आजम, एबी डिविलियर्स, जो रूट और विलियमसन की पसंद के खिलाफ गेंदबाजी का आनंद लिया है। उन्होंने कहा, ये दुनिया में सबसे अच्छे बल्लेबाज हैं और स्पष्ट हैं क्योंकि इनमें कोई कमजोरियां नहीं हैं। प्रत्येक टीम में कुछ बल्लेबाज होते हैं, जिन्हें गेंदबाजी करना सबसे कठिन होता है। लेकिन आप उन चुनौतियों का सामना करना चाहते हैं, क्योंकि यह सबसे फायदेमंद है। एक सवाल के जवाब में पैट कमिंस ने कहा कि दुनिया के कई बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजी करना कठिन है। उन्होंने कहा, टीम इंडिया में विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा तो न्यूजीलैंड में केन विलियम्सन को गेंदबाजी करना मुश्किल है। जहां तक पैट कमिंस का सवाल है तो वह वर्तमान में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 14 टेस्ट में 21.02 के औसत से 70 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना शानदार परफॉर्मेंस दिखाते हुए एक पारी में पांच विकेट भी झटके हैं। वह भारत के रवि अश्विन से अपना शीर्ष स्थान गंवा सकते हैं, जिनके पास 13 मैचों में 67 विकेट हैं और वह फाइनल में खेलने के लिए तैयार हैं। कमिंस ने कहा कि उन्हें डब्ल्यूटीसी की अवधारणा पसंद है और उन्हें फाइनल से बाहर होने का अफसोस है।

शिव थापा एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज शिव थापा एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। थापा ने मंगलवार को यहां क्वार्टर फाइनल में कुवैत के नादेर ओदाह को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना लगातार पांचवां पदक पक्का किया। इससे वह टूनामेंट में भारत के सबसे सफल मुक्केबाज बन गये हैं। थापा ने साल 2013 में एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

इसके बाद उन्होंने 2015 में कांस्य, 2017 में रजत और 2019 में फिर से कांस्य पदक हासिल किया था। थापा ने कहा, मैं इस मैच में उतरने तक नहीं जानता कि आंकड़ों के लिहाज से यह मुकाबला इतना मायने रखता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला पहला खिलाड़ी बनूंगा।

अब थापा का मुकाबला शुक्रवार को सेमीफाइनल में ताजिकिस्तान के बखोदुर उस्मोनोव से होगा। थापा ने कहा, आपके नाम पर इस तरह का रिकार्ड होना अच्छा है। इससे यह भी पता चलता है कि समय कितनी जल्दी बीत गया। मैं इतने लंबे समय से एशियाई चैंपियनशिप में खेल रहा हूं। अपने पांचवें पदक को लेकर इस मुक्केबाज ने कहा कि यह महामारी का दौर है। अभी दुनिया जिस स्थिति में है। ऐसे में प्रतियोगिता में भाग लेना और पदक जीतने से लग रहा है कि जैसे मैंने वायरस को ही हरा दिया हो।

इटली में कोलंबिया के इगेन बर्नेल जिरो डि इटेलिया साइकिल रेस में आगे निकलते हुए।

टोक्यो ओलंपिक हुए तो बढ़ेगी कोरोना महामारी : नाओतो

टोक्यो, (एजेंसी)। आगामी टोक्यो ओलंपिक के आयोजन को लेकर जारी विरोध के बीच ही जापान के एक डॉ. नाओतो उएयामा ने कहा है कि अगर टोक्यो ओलंपिक हुए तो इससे कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा और तेज हो जाएगा। जापान डॉक्टर्स यूनियन के अध्यक्ष नाओतो ने कहा कि इससे कई अन्य प्रकार के संक्रमण भी सामने आयेंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और जापान की सरकार ने 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के 15000 ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों सहित हजारों अधिकारियों, जजों, मीडिया और प्रसारणकताओं को देश में लाने के खतरे को कम आंका है।

उन्होंने कहा, कोविड-19 के सामने आने के बाद से दुनिया भर के इतने अधिक देशों के लोगों का एक ही जगह पर एकत्र होना खतरनाक होगा।

यह कहना कि अभी इससे क्या होगा ये कहना कठिन है। नाओतो ने वायरस की तुलना पारंपरिक जंग की स्थिति से की और कहा कि वह टोक्यो के बाहर अस्पताल में काम करने के अपने स्वयं के अनुबंध के आधार पर यह बात कह रहे हैं। वह ओलंपिक की योजना बनाने से किसी भी तरह से नहीं जुड़े हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यहां डर यह है कि अगर ओलंपिक के कारण वायरस का कोई नया प्रकार निकल आया तो वह भयावह होगा और उससे सभी के लिए खतरा पैदा हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर आईओसी और स्थानीय आयोजकों ने कहा है कि वे जनस्वास्थ्य दिशानिदेर्शों के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन पर निर्भर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक और पैरालंपिक सुरक्षित होंगे और इस दौरान कोरोना संक्रमण रोकने के लिए सभी जरुरी कदम उठाये जाएंगे।

हेड कोच जस्टिन लैंगर से खुश नहीं हैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के हेड कोच जस्टिन लैंगर पर कोचिंग स्टाइल बदलने का दबाव शुरू हो गया है। ड्रेसिंग रूम के माहौल को बेहतर बनाने के लिए लैंगर के काम को लेकर कड़ा रिव्यू दिया गया है। रिव्यू में इस बात पर जोर दिया गया है कि लैंगर को अपना कोचिंग स्टाइल बदलने की जरूरत है। लैंगर के अलावा मैनेजर गेविन डोबे को भी सीधे-सीधे बोला गया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की खबर के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया को जब भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा, उस समय खिलाड़ियों में लैंगर के इंटेंस मैनेजमेंट स्टाइल से असंतोष था। इसके अलावा इसमें यह भी कहा गया कि टीम कोच के मूड स्विंग्स से काफी परेशान है। इस रिव्यू में करीब 40 खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के प्वॉइंट ऑफ व्यू शामिल हैं। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से सीए की राष्ट्रीय टीम के बॉस बेन ओलिवर ने कहा, यह पिछले वर्ल्ड कप और 2019 एशेज से पहले किए गए प्रोसेस जैसा है, जहां टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया था। यह मैदान पर और मैदान के बाहर सुधार के लिए हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है और हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले टी20 वर्ल्ड कप और घरेलू एशेज के लिए टीम की तैयारी में इससे फायदा मिलेगा। टेस्ट कप्तान टिम पेन, टेस्ट उप-कप्तान पैट कमिंस और लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में कप्तान आरोन फिंच को अब अगले सप्ताह इस सीजन के अंत की रिपोर्ट पेश करनी होगी। लैंगर को टिम फोर्ड की रिपोर्ट से फीडबैक भी मिलेगा। फोर्ड को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दो साल पहले स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर के गेंद से छेड़छाड़ पर बैन के बाद टीम में शामिल करने के लिए काम पर रखा था।

सुशील कुमार की जान को खतरा, गैंगस्टर काला जेठड़ी की हिट लिस्ट में ओलिंपियन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इन दिनों जेल में बंद ओलिंपियन सुशील कुमार ने खुलासा किया है कि वह पिछले कुछ दिन से न केवल पुलिस से बच रहे थे, बल्कि गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जेठड़ी से भी छिप रहे थे। अब ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई हैं कि सुशील कुमार की जान को खतरा है।

दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में 4 मई की दरमियानी रात जब रेसलर सुशील कुमार और उनके साथियों ने सागर धनखड़ पर कथित रूप से हमला किया था, तब वहां गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जेठड़ी का भतीजा सोनू भी मौजूद था। मारपीट के दौरान उसे भी गंभीर चोट आई। इसी वजह से काला जेठड़ी सुशील से नाराज है और ओलिंपियन से बदला लेने की ताक में है। सुशील कुमार को डर है कि जेल में काला जठेड़ी गैंग के गुर्गे उन पर हमला कर सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुशील ने सागर धनखड़ के साथ हुई मारपीट के बाद काला जठेड़ी गैंग से भी संपर्क साधने की कोशिश की थी। ताकि उन्हें माफी मिल जाए। रिपोर्ट के मुताबिक, सुशील कुमार के दिल्ली और हरियाणा के कुछ गैंगस्टर्स से संबंध थे। फरारी के दौरान इन्हीं गैंगस्टर्स ने सुशील को छिपने में मदद दी। इसके बाद से ही पुलिस सतर्क हो गई है और उसका पूरा ध्यान दिल्ली में पहलवानों और अपराधियों के गठजोड़ पर है। इसीलिए सुशील को कड़ी सुरक्षा दी गई है।

गिरफ्तारी के बाद इस पहलवान को खास सुरक्षा इंतजामों के बीच ही कोर्ट में पेश किया गया था। जानकारी के मुताबिक, काला जेठड़ी इस वक्त मलेशिया में है और वहीं से अपना गैंग चलाता है। जेठड़ी ने दो साल पहले कथित तौर पर सुपंत नेहरा को बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की हत्या करने के लिए कहा था। हालांकि, सुपंत इसमें सफल नहीं हो पाया और उसे हरियाणा पुलिस ने दबोच लिया था। वहीं, जेठड़ी के सहयोगी लॉरेंस बिश्नोई भी इस वक्त स्पेशल सेल की गिरफ्त में है। ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि बीते कुछ महीनों में सुशील की गैंगस्टर काला जेठड़ी से दोस्ती हुई थी। पुलिस इस लिंक को भी खंगाल रही है। इसके लिए लॉरेंस बिश्नोई गैंग को गुर्गों से भी कड़ी पूछताछ हो रही है।

सलमान बट ने बताया, विराट कोहली के बाद कौन बन सकता है भारत का कप्तान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान बट ने तीन खिलाड़ियों का नाम बताया जो भविष्य में टीम इंडिया के कप्तान बन सकते हैं। सलमान बट ने कहा कि रोहित शर्मा, अंजिक्य रहाणे और ऋषभ पंत में कोई एक आगे चलकर भारत का कप्तान बन सकता है। बट ने एक फैन के सवाल पर ये जवाब दिया। सलमान बट ने अपने यूट्यूब चैनल में अपलोड किए गए वीडियो में कहा, मुझे पंत के घरेलू क्रिकेट रिकॉर्ड की गहराई से जानकारी नहीं है। लेकिन आईपीएल में मैंने जो देखा है, अगर उन्होंने ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी सौंपी, तो बीसीसीआई के पास जरूर कुछ भविष्य की योजनाएं हो सकती हैं। हालांकि कोहली अभी भी युवा हैं और वो अगले 8-9 साल तक कहीं नहीं जा रहे हैं।

सलमान बट ने मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा की भी तारीफ की। रोहित की अगुवाई में मुंबई इंडियंस ने 5 बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है। रोहित को लेकर बट ने कहा कि पंत के साथ ही रोहित शर्मा भी एक शानदार कप्तान है। मैं कप्तान के रूप में उन्हें काफी पसंद करता हूं। रणनीतिक तौर पर वो काफी बेहतर कप्तान हैं। सलमान बट भारतीय टीम के उपकप्तान अंजिक्य रहाणे से भी प्रभावित दिखे। रहाणे ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहला टेस्ट हारने के बाद कोहली की जगह कप्तानी संभाली। चार मैचों की सीरीज में कई स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में भारत ने 2-1 से सीरीज जीती। बट ने कहा कि हाल ही में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती थी, जिसमें रहाणे कप्तानी संभाल रहे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में बेहतरीन काम किया। 36 साल के बट ने ये कहते हुए अपनी बात खत्म की भारत को निकट भविष्य में चिंता करने की जरूरत नहीं है। जब भी भारत को आवश्यकता होगी, उनके पास कई विकल्प होंगे। बट ने कहा कि देखते हैं कि आगे कौन आता है और कैसा परिदृश्य बनता है। अभी भारतीय क्रिकेट के लिए चर्चा का विषय नहीं है। वैसे भी उनके पास 3-4 लोग हैं।

चीन में विश्व टेबल टेनिस के मिश्रित युगल मुकाबले में खेलते हुए जू जिंग व ल्यू शिवेन।

आईसीसी रैंकिंग में विराट और रोहित दूसरे ओर तीसरे स्थान पर कायम

दुबई, (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली और उप कप्तान रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एकदिवसीय खिलाड़ी रैंकिंग में दूसरे और तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। कोहली और रोहित के 857 और 825 अंक हैं। वहीं पाक के कप्तान बाबर आजम 865 अंक लेकर बल्लेबाजों में शीर्ष पर हैं। वहीं गेंदबाजों में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 690 अंक लेकर पांचवें स्थान पर हैं जबकि न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट 737 अंक के साथ गेंदबाजों में नंबर एक पर हैं।

दूसरे नंबर पर 725 लेकर बांग्लादेश के मेहदी हसन जबकि अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान 708 अंक लेकर तीसरे नंबर पर हैं। श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा विश्व कप सुपर लीग सीरीज के पहले दो मैचों में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश के आफ स्पिनर हसन शीर्ष दो में जगह बनाने वाले अपने देश के सिर्फ तीसरे गेंदबाज बने। नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए हसन ने दो मैचों में 30 रन देकर चार और 28 रन देकर तीन विकेट लिए जिससे वह तीन स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंचे।

श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों में छह विकेट लेने वाले बायें हाथ के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान भी आठ स्थान के फायदे से नौवें पायदान पर पहुंच गए हैं। दोनों ही एकदिवसीय मैचों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए मुशफिकुर रहीम चार स्थान आगे बढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 84 और 125 रन की पारी खेली। महमूदुल्लाह 54 और 41 रन की पारियां खेलने के बाद दो स्थान के फायदे से 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीर दूसरे मैच में 44 रन पर तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान के फायदे से अपने ही देश के पीडब्ल्यूएच डिसिल्वा के साथ संयुक्त 61वें स्थान पर पहुंच गए हैं। डिसिल्वा को आठ स्थान का फायदा हुआ। श्रीलंका के गेंदबाज धनंजय डिसिल्वा नौ स्थान के फायदे से 83वें जबकि लक्षण संदाकन भी नौ स्थान के फायदे से 94वें स्थान पर हैं। नीदरलैंड और स्कॉटलैंड के बीच दो मैचों की श्रृंखला के प्रदर्शन को भी रैंकिंग में शामिल किया गया। रोटरडम में खेली गई श्रृंखला के पहले मैच में 41 रन बनाने वो स्कॉटलैंड के बल्लेबाज रिचर्ड बेरिंगटन दो स्थान के फायदे से संयुक्त 72वें स्थान पर हैं जबकि नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडोड इसी मैच में 102 गेंद में 82 रन बनाने के बाद 11 स्थान के फायदे से 150वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वॉर्नर की पत्नी बोली, भारत में कोरोना के हालातों से घबरा गयी थीं बेटियां

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर की पत्नी कैंडिस ने कहा है कि जब-तक उनके पति भारत से नहीं लौटे थे तब तक वह डरीं हुईं थीं। वॉर्नर की पत्नी ने स्थानीय मीडिया से कहा कि उनकी बेटियां भारत में कोरोना की वजह से पैदा हुए हालात की खबरें देखकर हर दिन अपने अपने पिता के बारे में सवाल करती थीं। वॉर्नर ने कहा, वो समय काफी मुश्किल रहा, मेरी बेटियों ने भी उसे महसूस किया क्योंकि अब वो बड़ी हो गई हैं और समझ सकती हैं कि क्या चल रहा है। वो लगातार खबरों में खबरें देख रही थीं। साथ ही उनसे स्कूल में भी पूछा जाता था कि उनके पिता कैसे हैं।